जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:171 दिनांक:24-10-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यहां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, जो मई 2020 में पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद उत्पन्न होने के बाद दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर पहली संरचित बैठक है।

दिल्ली में हवा की खराब होती गुणवत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए हरियाणा व पंजाब सरकार से भी नाराजगी जताई।

सीमा पर गतिरोध खत्म करने मिले पीएम मोदी और शी जिनपिंग

पीएम मोदी बोले, सीमा पर शांति-स्थिरता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता

बैठक को ध्यान से देख रहा अंतरराष्ट्रीय समुदायःजिनपिंग

कजान (ईएमएस)। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से अलग सीमा पर गतिरोध खत्म करने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। यह वार्ता ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपनी सेनाओं द्वारा गश्त करने के समझौते पर सहमति जताई थी। चार साल से चल रहे गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में इसे एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। बता दें कि मई 2020 में पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद पैदा होने के बाद दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर पहली बैठक है। बैठक को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम पांच साल बाद औपचारिक बैठक कर रहे हैं। मेरा मानना है कि भारत-चीन संबंध न केवल हमारे लोगों के लिए बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम सीमा पर पिछले चार साल से उठे मुद्दों पर बनी सहमति का स्वागत करते हैं। सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आपसी भरोसे, सम्मान और संवेदनशीलता हमारे संबंधों का आधार बनी रहनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मुझे भरोसा है कि हम खुले दिमाग से बात करेंगे और हमारी चर्चा रचनात्मक होगी। वहीं चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने पीएम मोदी से कहा, कजान में आपसे मिलना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। जिनपिंग ने कहा, अधिक संवाद और सहयोग करना दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण है। हमें अपनी भिन्नताओं और असहमितियों को सही तरीके से संभालना चाहिए और एक दूसरे के विकास की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में मदद करनी चाहिए। दोनों पक्षों का अपनी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को निभाने, विकासशील देशों की ताकत और एकता को बढ़ाने के लिए उदाहरण पेश करने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में बहुध्रुवीयता और लोकतंत्र को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान है। पिछले पांच वर्षों में यह हमारी पहली औपचारिक मुलाकात है। हमारे दोनों देशों के लोग और अंतरराष्ट्रीय समुदाय हमारी बैठक पर बहुत ध्यान दे रहे हैं। चीन और भारत दोनों प्राचीन सभ्यताएं, प्रमुख विकासशील देश और वैश्विक दक्षिण के महत्वपूर्ण सदस्य हैं। हम दोनों अपने-अपने आधुनिकीकरण के प्रयासों के एक महत्वपूर्ण चरण में हैं। यह हमारे दोनों देशों और लोगों के मूल हितों की सर्वोत्तम सेवा है।

पांच वर्षों में पहली द्विपक्षीय बैठक

इस द्विपक्षीय बैठक पर विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा, पीएम मोदी ने 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। करीब पांच वर्षों में प्रतिनिधिमंडल स्तर पर यह उनकी पहली द्विपक्षीय बैठक थी। आखिरी बैठक 2019 में ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। मिस्त्री ने कहा, यह बैठक सैनिकों की वापसी और गश्त समझौते और 2020 में भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में पैदा हुए मुद्दों के समाधान के ठीक बाद हुई। पिछले कई हफ्तों से राजनयिक और सैन्य चैनलों पर निरंतर बातचीत के जरिए दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति का दोनों नेताओं ने स्वागत किया है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र को सुप्रीम फटकार

हरियाणा-पंजाब सरकार से भी जताई नाराजगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में हवा की खराब होती गुणवत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए हरियाणा व पंजाब सरकार से भी नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम को कमजोर बनाने के लिए फटकार लगाते हुए पराली जलाने के कारण होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए कड़ी सजा की आवश्यकता पर जोर दिया। कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा सरकार से कहा कि आप जुर्माना वसूलने में नाकाम रहे हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं को रोकने में पंजाब और हरियाणा के प्रयासों सिर्फ दिखावा साबित हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराएंगे, क्योंकि उसने कोई व्यवस्था नहीं की है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम कमजोर हो गया है। आपने धारा 15 में संशोधन करके सजा हटा दी है और उसकी जगह जुर्माना लगा दिया है। जुर्माना लगाने की प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा सकता है। अधिनियम की धारा 15 इसके प्रावधानों के उल्लंघन में सजा का उल्लेख करती है। केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि 10 दिनों के भीतर नियमों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा और अधिनियम को पूरी तरह से लागू किया जाएगा।

केंद्र को दिया कानून में संशोधन का निर्देश :

शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगाया जाने वाला पर्यावरण मुआवजा सेस को बढ़ाने के लिए कानून में संशोधन किया जाए। एएसजी ने बताया कि पंजाब और हरियाणा दोनों के सचिव (पर्यावरण) और अतिरिक्त मुख्य सचिव (कृषि) को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर ये राज्य सरकारें और केंद्र वास्तव में पर्यावरण की रक्षा के लिए तैयार होते, तो धारा 15 में संशोधन से पहले ही सब कुछ हो गया होता। यह सब राजनीति है, और कुछ नहीं। बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई, कई इलाकों में तो यह गंभीर श्रेणी में भी पहुंच गई।

हम युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति के समर्थक- मोदी

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

कजान(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष को शांतिपूर्ण वार्ता के माध्यम से हल करने का आह्वान करते हुए एक स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा, हम युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करते हैं। और जिस तरह हम कोविड जैसी चुनौती से मिलकर पार पा सके, उसी तरह हम निश्चित रूप से भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए नए अवसर पैदा करने में सक्षम हैं। बता दें कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग समेत ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद से निपटने के लिए ठोस वैश्विक प्रयासों की भी वकालत की और कहा कि इस खतरे से लडऩे में कोई दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। आतंकवाद और आतंकी वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए हमें सभी के एकजुट और दृढ़ समर्थन की आवश्यकता है। इस गंभीर मामले में दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं है। हमें अपने देशों में युवाओं के कट्टरपंथीकरण को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमें संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन के लंबे समय से लंबित मामले पर मिलकर काम करना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, इसी तरह, हमें साइबर सुरक्षा और सुरक्षित एआई के लिए वैश्विक नियमों पर काम करने की जरूरत है।

आतंकवाद पर दोहरे रवैये की जगह नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आतंकवाद पर दोहरे रवैये की जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों को साथ आकर इससे लडऩा होगा। उन्होंने यूएनएससी में रिफॉर्म की भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत ब्रिक्स में नए देशों का स्वागत करने के लिए तैयार है। पीएम ने कहा कि पिछले एक वर्ष में रूस की सफल अध्यक्षता के लिए राष्ट्रपति पुतिन का अभिनंदन करता हूं। दोस्तों, हमारी बैठक एक ऐसे समय में हो रही है। जब विश्व युद्धों, संघर्षों, आर्थिक अनिश्चितता, क्लाइमेट चेंज, आतंकवाद जैसी अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ है। विश्व में नॉर्थ-साउथ और पूर्व-पश्चिम को तोडऩे की बात हो रही है। महंगाई की रोकथाम, फ़ूड सिक्योरिटी, एर्जरी सिक्योरिटी, हेल्थ सिक्योरिटी, वाटर सिक्योरिटी, सभी देशों के लिए प्राथमिकता के विषय हैं और टेक्नोलॉजी के युग में, साइबर सिक्यूरिटी, डीप फैक, फेक न्यूज जैसी नई चुनौतियां बन गई हैं। ऐसे में ब्रिक्स को लेकर बहुत अपेक्षाएं हैं।

ब्रिक्स में नए देशों के स्वागत के लिए भारत तैयार

इस दौरान पीएम ने कहा कि भारत भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में नए देशों का स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इस संबंध में, सभी निर्णय आम सहमति से लिए जाने चाहिए और ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों के विचारों का सम्मान किया जाना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों, मानकों, मानदंडों और प्रक्रियाओं का सभी सदस्यों और भागीदार देशों की तरफ से अनुपालन किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अन्य वैश्विक निकायों में सुधार की भी वकालत की। उन्होंने कहा, हमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, बहुपक्षीय विकास बैंकों और विश्व व्यापार संगठन जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधारों पर समयबद्ध तरीके से आगे बढऩा चाहिए। जब हम ब्रिक्स में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करने के लिए सावधान रहना चाहिए कि यह संगठन वैश्विक संस्थानों की जगह लेने की कोशिश करने वाले संगठन की छवि न बना ले।

जंग रोकने के लिए दबाव बनाने की जरूरतः जिनपिंग

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि दुनिया उथल-पुथल भरे बदलाव से गुजर रही है। हमें शांतिपूर्ण ब्रिक्स बनाने की जरूरत है। गाजा और लेबनान में हमें सीजफायर पर जोर देना होगा। यूक्रेन जंग पर उन्होंने कहा कि हमें जल्द संकट का समाधान निकालना होगा। जिनपिंग ने कहा कि हमें आपस में आर्थिक सहयोग बढ़ाने की जरूरत हैं। साथ ही ग्लोबल साउथ का देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ाना होगा।

ब्रिक्स अच्छे पड़ोसी देशों का संगठनः पुतिन

पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स देशों को साथ लाने में ग्लोबल साउथ की बड़ी भूमिका है। ब्रिक्स अच्छे पड़ोसी देशों का संगठन है। पुतिन ने कहा 30 से ज्यादा देशों ने ब्रिक्स से जुडऩे की इच्छा जाहिर की है। बैठक में इन्हें लेकर चर्चा होगी। हम कोशिश करेंगे कि नए देशों को जोडऩे से संगठन की क्षमता पर असर न पड़े। पुतिन ने ये भी कहा कि दुनिया अब मल्टीपोलर वल्र्ड ऑर्डर की तरफ बढ़ रही है।हम युद्ध नहीं, डायलॉग और डिप्लोमेसी के समर्थक, ब्रिक्स से दुनिया को पीएम मोदी का मैसेज

मथुरा में मोहन-योगी मुलाकात से सियासत गर्माई

-महाकुंभ और उपचुनाव को लेकर हुई चर्चा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की मथुरा में मुलाकात राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। इस मुलाकात को औपचारिक रूप से महाकुंभ में भाग लेने का निमंत्रण देने के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस मुलाकात में यूपी की सियासत और आगामी उपचुनावों को लेकर भी महत्वपूर्ण बातचीत हुई।

सीएम योगी के लिए नौ विधानसभा सीटों के उपचुनाव उनकी प्रतिष्ठा का प्रश्न बने हुए हैं। इन उपचुनावों को सीएम योगी की लोकप्रियता और उनकी सरकार के कामकाज का लिटमस टेस्ट माना जा रहा है। उपचुनाव के दौरान संघ से जुड़े स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी तय करने पर भी बातचीत हुई। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हरियाणा के हालिया विधानसभा चुनावों का उदाहरण देते हुए सीएम योगी को आश्वस्त किया कि यूपी में भी संघ और बीजेपी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करेगा।

सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में बीजेपी और संघ के बीच समन्वय पर भी गहन चर्चा हुई। 2024 के आम चुनाव से पहले संघ और बीजेपी के संबंधों में आई खटास को दूर करने की दिशा में यह बैठक अहम है। हरियाणा में बीजेपी की लगातार तीसरी जीत के पीछे संघ की सक्रियता को महत्वपूर्ण कारण माना गया था, और उसी तर्ज पर यूपी उपचुनाव में भी संघ की भूमिका को लेकर चर्चा हुई। इस बैठक के जरिए यह संदेश दिया जा रहा है कि संघ और योगी के बीच तालमेल मजबूत है, और आगामी चुनावों में दोनों मिलकर काम करेंगे।

मथुरा में मोहन-योगी मुलाकात से सियासत गर्माई

(नई दिल्ली) बीजेपी सांसदों ने की कल्याण बनर्जी को निलंबित करने की मांग

लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी के सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी को सांसदी से निलंबित करने की मांग की है। भाजपा के तीन सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा कि तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर तत्काल निलंबित किया जाए। इन सांसदों ने बनर्जी पर वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक के दौरान अभूतपूर्व हिंसा का आरोप लगाया है। जिन भाजपा सांसदों ने पत्र लिखा है, उनमें निशिकांत दुबे, अपराजिता सारंगी और अभिजीत गंगोपाध्याय शामिल हैं। पत्र में भाजपा सांसदों ने कहा कि उन्होंने और अन्य ने बनर्जी को समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर कांच की बोतल फेंकते हुए देखा है। उन्होंने इसे गुंडागर्दी और अमानवीय हिसा का उदाहरण बताते हुए कहा कि यह घटना किसी सांसद से अपेक्षित सभ्य व्यवहार की सीमाओं को पार कर गई है।

लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए भी खतरनाक

भाजपा सांसदों ने कहा, कल्याण बनर्जी का यह कृत्य न केवल अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर एक जानलेवा हमला है, बल्कि यह हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए भी खतरनाक है। उन्होंने लोकसभा की आचार समिति से भी जांच की मांग की, ताकि बनर्जी की सदस्यों रद्द करने पर विचार किया जा सके। पत्र में आगे कहा गया है कि बनर्जी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए और उन्हें पुलिस हिरासत में लिया जाना चाहिए, ताकि इस मामले की गहन जांच की जा सके। सांसदों ने यह भी कहा कि जब तक जांच परी नहीं होती, तब तक उन्हें संसद की कार्यवाही से निलंबित किया जाना चाहिए। विपक्षी नेताओं ने इस मुद्दे पर विरोध जताया है। द्रमुक सांसद ए. राजा और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने जगदंबिका पाल पर आरोप लगाया कि उन्होंने नियमों का उल्लंघन किया है और घटना को सार्वजनिक किया है। पाल ने इन आरोपों को खारिज करते कहा कि उन्होंने केवल एक हिंसक घटना के बारे में बात की थी।

महा विकास अघाड़ी के बीच तय हुआ सीट शेयरिंग का फॉर्मूला, जानें किसी पार्टी को कितनी सीटें मिली?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच सीट शेयरिंग के फॉर्मूले पर सहमति बन गई है। राज्य में कांग्रेस, शिवसेना (ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार) मिलकर चुनाव लड़ने जा रही है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के मुताबिक, 270 सीटों पर सहमति बन चुकी है।

विस्तार

महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में 255 सीटों पर आम सहमति बन गई है। एमवीए में शामिल कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) प्रत्येक 85 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि 270 सीटों का बंटवारा हुआ है, जिसमें से 18 सीटें सहयोगी दलों को दी जाएगी।

एमवीए में 15 सीटों पर असमंजस की स्थिति अब भी बरकरार है। बुधवार शाम शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, एनसीपी (एसपी) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और नाना पटोले ने संयुक्त प्रेसवार्ता कर सीटों के बंटवारे की घोषणा की। इससे पहले एमवीए के नेताओं की दक्षिण मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सेंटर में पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के साथ ढाई घंटे मैराथन बैठक चली। इसके बाद 85-85 सीटों के बंटवारे का फार्मूला सामने आया। संजय राउत ने कहा कि तीनों दलों को बंटवारे में 85-85 सीटें मिली हैं।

वहीं, पटोले ने कहा कि 18 सीट एमवीए के सहयोगी दल जैसे शेतकरी (किसान) कामगार पार्टी, समाजवादी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी को दी जाएगी। एमवीए की यह रणनीति विपक्ष के वोटों में बिखराव को रोकने की कवायद के रूप में देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच विदर्भ और मुंबई की कुछ सीटों पर अब भी बात नहीं बन पाई है। इसलिए 85 का फार्मूला घोषित कर विपक्षी दलों में एकजुटता दिखाने की कोशिश की गई है।

उद्धव के दबाव में आई कांग्रेस

लोकसभा चुनाव के नतीजों में महाराष्ट्र में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है, जिसके 17 सांसद हैं। जबकि शिवसेना (यूबीटी) के 9 और एनसीपी के 8 सांसद हैं। चर्चा थी कि महाराष्ट्र के चुनाव में इस बार कांग्रेस बड़े भाई की भूमिका निभाने की तैयारी में है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। समझा जा रहा है कि उद्धव ठाकरे के दबाव के कारण कांग्रेस को झुकना पड़ा है।

ठाकरे ने घोषित किए 65 उम्मीदवार, आनंद दिघे के भतीजे से होगा शिंदे का सामना

एमवीए में सीटों के बंटवारे के साथ ही शिवसेना (यूबीटी) ने एमवीए में सीटों के बंटवारे की घोषणा से पहले ही अपने 65 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। ठाकरे ने ठाणे के कोपरी-पांचपाखाड़ी सीट पर एकनाथ शिंदे के सामने उनके राजनीतिक गुरु दिवंगत आनंद दिघे के भतीजे केदार दिघे को मैदान में उतारा है। केदार दिघे को उद्धव ठाकरे का हुकुम का एक्का माना जा रहा है, जबकि ठाणे शहर से पूर्व सांसद राजन विचारे को उम्मीदवार घोषित किया है।

इसके अलावा ठाकरे की शिवसेना की सूची में वरली से आदित्य ठाकरे, बांद्रा पूर्व से आदित्य के मौसी के बेटे वरुण सरदेसाई, गोरेगांव से कांग्रेस के दिवंगत नेता गुरुदास कामत के भांजे समीर देसाई, विक्रोली से सांसद संजय राउत के भाई सुनील राउत, अंधेरी से ऋतुजी लटके का नाम शामिल है।

शिवसेना की सूची में छपाई की गलती?

शिवसेना (यूबीटी) की ओर से बुधवार को आनन-फानन में घोषित की गई 65 उम्मीदवारों की सूची को लेकर एमवीए की बैठक में नाराजगी प्रकट की गई। इस पर संजय राउत ने सफाई दी कि सूची को संशोधित किया जाएगा। इसमें कुछ गलती है। राउत ने कहा कि सांसद अनिल देसाई इस मामले को देखेंगे और इस सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा।

फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम सीट से कल करेंगे नामांकन दाखिल

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शुक्रवार को नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। भाजपा ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची पहले ही जारी कर दी है।

ईरान के लिए जासूसी करने वाले 7 इजराइली गिरफ्तार

इनमें एक सैनिक; इन्होंने जिन जगहों की जानकारी भेजी, वहां हिजबुल्लाह ने हमले किए

तेल अवीव(ईएमएस)। इजराइल में ईरान के लिए जासूसी करने के आरोप में 7 इजराइली नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने ईरान के लिए 2 साल तक जासूसी की और उनके लिए सैकड़ों काम किए।

इजराइल पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह सबसे गंभीर मामलों में से एक है। इसके लिए उन्हें मौत की सजा हो सकती है। ये सभी आरोपी हाइफा या फिर उत्तरी इजराइल के रहने वाले हैं। इसमें से एक सैनिक भी शामिल है, जो कुछ साल पहले सेना छोडक़र भाग गया था। इसके अलावा आरोपियों में 16-17 साल के 2 नाबालिग भी हैं। इनकी पहचान जाहिर नहीं की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने दो साल में करीब 600 मिशन पूरे किए। उनका कहना है कि आरोपी पैसे के लालच में ईरान के लिए खुफिया जानकारी इकज्ञ कर रहे थे। इन्होंने इजराइल के सैन्य ठिकानों से लेकर परमाणु हथियार, गोला-बारूद की जानकारी ईरान को दी है। इनकी दी गई जानकारी पर ईरान ने इजराइल में कई जगहों पर हमले भी किए।

साइक्लोन दाना 25 को ओडिशा-प. बंगाल तट से टकराएगा

-दोनों राज्यों में 348 ट्रेनें रद्द, होटल-स्कूल 3 दिन बंद; 10 लाख लोग शिफ्ट किए जा रहे

पुरी/कोलकाता(ईएमएस)। अंडमान सागर से उठा चक्रवाती तूफान 'दाना' बंगाल की खाड़ी की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। साइक्लोन 24 अक्टूबर को आधी रात या फिर 25 अक्टूबर की सुबह पुरी तट से टकराएगा। इस दौरान 120 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

पुरी में 3 हजार से ज्यादा पर्यटकों को सुरक्षित घर भेज दिया गया है। होटल की बुकिंग चार दिन रोक दी गई है। ओडिशा में 14 जिलों के सभी स्कूल-कॉलेजों की 25 तक छुट्टी कर दी गई है। जबकि कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द हो गई हैं।

प्रियंका ने वायनाड से किया नामांकन, कहा- 35 साल पिता, मां, भाई के लिए कैंपेन किया

पहली बार अपने लिए मांग रही हूं समर्थन

नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रोड शो के बाद वायनाड लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान उनके साथ भाई राहुल गांधी, मां सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े भी मौजूद रहे। प्रियंका ने नामांकन से पहले कहा- जब मैं 17 साल की थी, तब मैंने पहली बार पिता के लिए 1989 में कैंपेन किया था। तब से इन 35 साल के दौरान मां, भाई के लिए वोट मांगें। अब पहली बार खुद के लिए समर्थन मांग रही हूं।

राहुल गांधी ने कहा कि वायनाड देश का ऐसा क्षेत्र है जहां से 2 सांसद हैं। एक आधिकारिक सांसद और दूसरा अनौपचारिक सांसद। दोनों वायनाड के लिए काम करेंगे। प्रियंका गांधी पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा ने उनके खिलाफ नाव्या हरिदास को उतारा है।

सत्ता में आए लोगों ने नफरत का इस्तेमाल किया

प्रियंका ने कहा कि जो लोग सत्ता में हैं, उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए नफरत का इस्तेमाल किया। उन्होंने अलगाव पैदा किया। यह वह राजनीति नहीं है जिस पर हमारा राष्ट्र बना था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में हमारा स्वतंत्रता आंदोलन समानता और हर धर्म के प्रति सम्मान से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि ईसा मसीह हमें विनम्रता के बारे में सिखाते हैं। बुद्ध की शिक्षाएं हमें अहिंसा का मार्ग दिखाती हैं। राष्ट्रवाद की इन्हीं वैल्यूज के लिए आज हम लड़ रहे हैं। हम सत्य, न्याय और समानता के लिए लड़ रहे हैं। इन्हीं मूल्यों ने मेरे भाई को प्रेम और एकता के लिए पूरे भारत में चलने के लिए प्रेरित किया।

वायनाड के लोग सबकी मदद करते हैं

प्रियंका गांधी ने कहा कि लैंडस्लाइड के दौरान मैंने एक बात नोटिस की। यहां डॉक्टर, शिक्षक, गृहिणी, सभी एक-दूसरे की मदद करने में लगे हुए थे। वे बिना किसी लालच के करुणा, प्यार, स्नेह और साहस के साथ एक-दूसरे को सपोर्ट कर रहे थे। आपके परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। प्रियंका ने कहा कि कुछ महीने पहले, मैं अपने भाई के साथ वायनाड के चूरलमाला और मुंडक्कई गई थी। मैंने तबाही को अपनी आंखों से देखा। मैंने ऐसे बच्चों को देखा जिन्होंने अपना पूरा परिवार खो दिया। मैं उन माताओं से मिली, जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया, जिनका पूरा जीवन लैंडस्लाइड में बह गया।

सांप्रदायिकता के खिलाफ मैं डटकर खड़ा रहूंगाः लालू प्रसाद यादव

देश की मिट्टी में सबकी महक और आजादी में सबका योगदान

पटना,(ईएमएस)। इस देश की मिट्टी में सबकी महक और आजादी में सबका योगदान है। मैं प्रत्येक व्यक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि जब तक मेरी सांस है, मैं बिहार को सांप्रदायिकता की आग में झोंकने वाले हर व्यक्ति के सामने डट कर खड़ा रहूंगा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को कही। उल्लेखनीय है कि हाल ही में अररिया के सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर अररिया में रहना है तो हिन्दू बनना होगा। हिन्दू स्वाभिमान यात्रा के तहत कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी शिरकत की थी। इस बयान का एक वीडियो अब वायरल हो रहा है। पत्रकारों द्वारा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की हिन्दू स्वाभिमान यात्रा और सांसद प्रदीप कुमार सिंह के एक बयान से जुड़े प्रश्न के जवाब में राजद अध्यक्ष लालू यादव ने कहा कि गिरिराज सिंह के राज में और नीतीश कुमार के राज में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा, गिरिराज सिंह की आदत है, इसी तरह की बात बोलते रहता है। हिंदू-मुस्लिम सब रहेगा। दंगा फसाद कराने से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव ने सवालिया लहजे में कहा कि हम लोगों के रहते दंगा-फसाद कैसे करा देगा? तेजस्वी यादव कह रहे हैं अगर कुछ भी हुआ तो इसके जिम्मेदारी सीएम नीतीश कुमार हैं। इस पर लालू यादव ने कहा कि वह ठीक बोले हैं। इससे पहले बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सांसद प्रदीप सिंह के बयान को लेकर कहा था कि भाजपा के एक सांसद ने बिहार में माहौल बिगाड़ने के लिए भड़काऊ बयान दिया और आज ही उस सांसद को नीतीश कुमार ने अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया करा दी।

बढ़ती आतंकी घटनाओं के बीच उमर अब्दुल्ला ने की अमित शाह से मुलाकात, जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा भी उठाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान कानून-व्यवस्था के साथ-साथ राज्य के दर्जे के मुद्दे पर भी चर्चा की। अब्दुल्ला और अमित शाह के बीच करीब 40 मिनट तक बैठक चली।

सूत्रों के अनुसार अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा भी उठाया। बता दें अपनी पहली कैबिनेट बैठक के दौरान एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को उसके मूल स्वरूप में बहाल करने का आग्रह करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। इसे बहाली की प्रक्रिया शुरू करने, संवैधानिक अधिकारों को बहाल करने और क्षेत्र के निवासियों की विशिष्ट पहचान की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

शाह के समक्ष इस मुद्दे को उठाने के अलावा मुख्यमंत्री अब्दुल्ला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष भी इस मुद्दे को उठाएंगे। अब्दुल्ला के गुरुवार को नई दिल्ली में मोदी से मुलाकात करने की संभावना है। शाह के साथ अपनी बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र शासित प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। सूत्रों के अनुसार अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिक सुरक्षा बल और हर संभव मदद मांगी है। साथ ही उन्होंने आतंकवादी संगठनों के खिलाफ अभियान चलाने की भी मांग की है।

अब्दुल्ला और शाह के बीच यह बैठक गांदरबल जिले के गंगनगीर इलाके में हुए आतंकी हमले के बाद हुई है, जहां आतंकवादियों ने तीन दिन पहले ही एक डॉक्टर समेत सात लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी थी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शाही ईदगाह विवाद से संबंधित मुस्लिम पक्ष के रिकॉल आवेदन को किया खारिज

प्रयागराज (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से संबंधित 15 मुकदमों को एकीकृत करने के अपने आदेश के खिलाफ दायर रिकॉल आवेदन को खारिज कर दिया। यह आवेदन मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर किया गया था। बीते दिनों कोर्ट ने मामले में सुनवाई पूरी की थी और फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए मुस्लिम पक्ष की अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें मांग की गई है कि कोर्ट मुकदों को कंबाइन करने के अपने फैसले को वापस ले ले।

दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पिछले हफ्ते मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर उस आवेदन पर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसमें कोर्ट के 11 जनवरी 2024 के आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया गया था। इस आदेश में हाई कोर्ट ने हिंदू पक्ष की ओर से दायर सभी मामले से संबंधित सभी मुकदमों को एक साथ जोड़ दिया था। इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। मुस्लिम पक्ष की ओर से पेश हुए अधिवक्ता तस्नीम अहमदी ने कहा कि 11 जनवरी 2024 के कोर्ट के उस आदेश को वापस लिया जाना चाहिए, जिसके तहत सभी मुकदमों को एक साथ जोड़ दिया गया था।

हालांकि, हिंदू पक्ष का कहना है कि एक बार जब कोर्ट की यह राय बन जाती है कि राहतें समान हैं, संपत्ति समान है और प्रतिवादी भी समान हैं तो मुकदमों को एक साथ जोड़ना कोर्ट का अधिकार क्षेत्र है। हिंदू पक्ष की ओर से पेश अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने कहा कि एक साथ जोड़ने का मतलब यह नहीं है कि सभी मुकदमों को लड़ने का अधिकार समाप्त हो जाएगा।

एआई पर आधारित हुई रेलवे की हेल्पलाइन 139.यात्रियों को जल्द मिल रहा समस्या का समाधान

नई दिल्ली (ईएमएस) । भारतीय रेलवे की हेल्पलाइन 139 प्रतिदिन 3 लाख से ज्यादा कॉल हैडल करती है। लेकिन बीते 10 साल इसमें बड़ा बदलाव आया और कॉल सेंटर आधारित सिस्टम से बदलकर प्राइमरी तौर पर ऑटोमेटिक पर शिफ्ट कर दिया गया। इसका फायदा यह हुआ है कि लोगों को ज्यादातर भारतीय भाषाओं में रेलवे से जुड़ी जानकारियां जैसे ट्रेन टाइमिंग, टिकट कंफर्मेशन और ट्रेन रूट से जुड़ी रियल-टाइम मिल रही है।

इसके पहले कॉल-सेंटर आधारित सिस्टम में लोगों को कॉल के दौरान जानकारी प्राप्त करने के लिए लंबा इंतजार करना होता था। रेलवे की ओर से आईवीआर सिस्टम में भी बड़ा बदलाव हुआ है। यात्री अब गंदे टॉयलेट-कोच, गायब बेडरोल और तत्काल मेडिकल जरूरतों के लिए शिकायत दर्ज करा सकते हैं। एआई आधारित शिकायत सिस्टम से काफी बदलाव आया है। इसकी मदद से यात्री अपनी आवाज के द्वारा शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत के समय उन्हें पीएनआर नंबर भी बताना होगा। इस शिकायत को रियल-टाइम में रेलवे स्टाफ को दी जाएगी और अगले स्टेशन पर आपकी समस्या का समाधान होगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह जेन एआई द्वारा संचालित है और इसे बेंगलुरु की उबोना ने विकसित किया है। पहले 90 प्रतिशत कॉल हिंदी या अंग्रेजी में होती थी, लेकिन अब यह आंकड़ा 58 प्रतिशत पर पहुंच गया है। 139 के अलावा भारतीय रेलवे की टिकट बुकिंग कंपनी आईआरसीटीसी द्वारा 14646 हेल्पलाइन को ऑटोमेट करने पर काम किया जा रहा है, यह आने वाले महीनों में लाइव हो सकती है। एआई का इस्तेमाल रेलवे के साथ सभी सेक्टर्स में बढ़ता जा रहा है। इस कारण एआई स्टार्टअप की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है।

जन हितैषी

एआई का स्वत्वाधिकार निजी हाथों में होने से आम नागरिकों का आर्थिक और बौद्धिक शोषण

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में निजी कंपनियों के बढ़ते प्रभुत्व ने आम लोगों के लिए नई चुनौतियाँ उत्पन्न कर दी हैं। यह तकनीकी मानव जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विकसित की गई है। वहीं इस तकनीकी के माध्यम से मुनाफा कमाने के लिए बड़े-बड़े पूंजीपतियों द्वारा इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे समाज को लाभ कम और नुकसान ज्यादा होने जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, एआई आधारित कंपनियों ने तकनीकी विकास में अपार सफलताएँ हासिल की हैं। इस प्रक्रिया में उन्होंने नए शोध और नवाचारों के माध्यम से समाज की सभी आवश्यकताओं को मशीनों के माध्यम से प्रस्तुत करने का जो काम किया जा रहा है, इसके परिणाम स्वरूप एक नया संकट पैदा हो गया है। विज्ञान एवं तकनीकी, विश्व की महत्वपूर्ण जानकारी पर कुछ ही कंपनियों और व्यक्तियों के हाथों तक सीमित रहेगा। इसका नतीजा यह होता है कि आम जनता को इन तकनीकों के लाभ लेने के लिए इन पर निर्भर हो जाना पड़ता है। मोनोपाली बनाकर यह अपने उपभोक्ता का शोषण करने लगते हैं। निजी कंपनियों का ध्यान केवल अपने अधिक से अधिक लाभ कमाने पर केंद्रित होता है। इसलिए वह किए गए शोध एवं प्रोग्रामिंग तकनीकी के नवाचारों का पेटेंट करवा कर अपने उपभोक्ताओं का जमकर आर्थिक शोषण करती हैं। इसका परिणाम यह होता है, कि आमजनता को इन तकनीकों तक पहुँचने के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। आम लोग इनके ऊपर निर्भर हो जाते हैं। निजी कंपनियाँ सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों के विज्ञान एवं शोध परियोजनाओं के बजट में कटौती की वकालत करती हैं, जिसके कारण शोध का काम खत्म होता चला जाता है। मानवीय बौद्धिक क्षमता धीरे-धीरे समाप्त हो रही है। आगे पाठ और पीछे सपाट का एक नया क्रम सारी दुनिया में शुरू हो गया है। पिछले दो दशकों में सार्वजनिक हित में किए जाने वाले अनुसंधान प्रभावित हुए हैं। वर्तमान स्थिति में आवश्यक है, कि विज्ञान और एआई के क्षेत्र में अधिक पारदर्शिता लाई जाए। तकनीकी ज्ञान और सभी जानकारी, सभी के लिए सामान्य रूप से सुलभ हो। इसके लिए सरकारों और वैश्विक संगठनों को कदम उठाने की जरूरत है। निजी कंपनियों के मुनाफे का उपयोग मानवता को लाभ पहुंचाना को प्राथमिकता मिले। विज्ञान और एआई के निजीकरण से आम लोगों को न केवल आर्थिक रूप से नुकसान हो रहा है, बल्कि इसका सामाजिक और सांस्कृतिक दुष्प्रभाव भी देखने को मिल रहा है। दुनियाभर की जानकारी और बौद्धिक संपदा का उपयोग तकनीकी क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियां एकाधिकार के रूप में उपयोग में ला रहे हैं। गूगल, फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, विकिपीडिया जैसे कई डिजिटल प्लेटफॉर्म हैं जिन्होंने पिछले 30 वर्षों में सारी दुनिया की जानकारी को एक जगह पर एकत्रित किया है। इसी जानकारी के बल पर एआई तकनीकी के माध्यम से सामाजिक व्यवस्था की छोटी-छोटी सी जरूरत को पूरा करने के लिए मानव की जगह मशीनों की एक नई दुनिया तैयार कर रहे हैं। मानव समाज को एआई तकनीकी के माध्यम से अपना गुलाम बनाकर शोषण करने की जो नई प्रवृत्ति देखने को मिल रही है यह सारी दुनिया के लिए बड़ी घातक है। अमेरिका जैसे देश में इसका विरोध होना शुरू हो गया है। भारत में एआई तकनीकी को बड़ी तेजी के साथ भारत में लाने की बात खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। लेकिन इसके फायदे कम और नुकसान बहुत ज्यादा हैं। आने वाली पीढ़ी पूरी तरह से मशीनों का गुलाम बनकर रह जाएगी। भारत जैसे देश में बेरोजगारी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगी। बौद्धिक संपदा का उपयोग कुछ ही कंपनियों तक सीमित होकर रह जाएगा। अभी जो लोग अपनी पूरी जानकारी या अपना कम्युनिकेशन सोशल मीडिया के प्लेटफार्म से करते हैं, उसमें वह अपना एकाधिकार बना लेते हैं। जिन लोगों की बौद्धिक संपदा थी उसको भी वह बिना किसी रॉयल्टी के अपने लिए उपयोग करते हैं। एकाधिकार के बल पर यह शोषण अभी हो रहा है। एआई तकनीकी पर आश्रित होने के बाद यह और भी बढ़ जाएगी। एआई तकनीकी पर चैट, जीपीटी ने भारत में अपनी जो सेवाएं शुरू की हैं उसमें तरह-तरह से शुल्क वसूल किया जा रहा है। 2000 रुपये प्रतिमाह तक की दर पर छोटी छोटी सी सेवाओं का शुल्क वसूल किया जा रहा है। भारत में करोड़ों लोगों से हर माह दो-दो हजार रुपए विभिन्न सेवाओं के लिए न्यूनतम वसूल किए जा रहे हैं। अभी जब प्रारंभिक अवस्था में यह हाल है तो भविष्य में क्या होंगे, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। पढ़ने-लिखने और जानकारी हासिल करने के स्थान पर जब हमारी एक पूरी पीढ़ी इसके ऊपर आश्रित हो जाएगी तब क्या हाल होगा इसका अंदाजा लगाने मात्र से चिंता होने लगती है। भारत सरकार को भी इस दिशा में सोच समझकर इस तकनीकी को भारत में लाने वाली कंपनियों के लिए नियम कानून बनाने की जरूरत है। एकाधिकार का दुरुपयोग ना हो एआई के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़े, सेवाओं का मूल्य तय किया जाए। भारतीय बौद्धिक संपदा के उपयोग पर भारतीय नागरिकों और भारत का अधिकार हो। इस दिशा में नियम, कानून-कायदे बनाने की जरूरत है। यदि सरकार ने ऐसा नहीं किया तो भारत को एक बार फिर गुलाम बनने में देर नहीं लगेगी। यह गुलामी अभी तक की सबसे खराब गुलामी की स्थिति होगी। सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

गांदरबल हमला लोकतंत्र को दहलाने की साजिश

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में रविवार रात को आतंकवादियों ने जिस तरह टारगेट किलिंग से एक कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट में काम कर रहे लोगों को निशाना बनाया, वह बेहद खतरनाक, चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण घटना है। यह आतंक का अंधेरा फैलाने एवं अमन के उजाले को लीलने की गहरी साजिश है। यह जहां आतंकवादियों की बौखलाहट की निष्पत्ति है वहीं उनकी बदली प्राथमिकताओं की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। राज्य में टारगेट किलिंग की यह कोई नई घटना नहीं है बल्कि हाल ही के वर्षों में सुरक्षा बलों के कैम्पों से लेकर प्रवासी मजदूरों के घरों एवं कश्मीरी पंडितों पर ऐसे टारगेट किलिंग हमले होते रहे हैं जिसके पीछे आतंकी संगठनों की हताशा ही दिखाई देती है। टारगेट किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति एवं आतंक फैलाने की नई साजिश है। अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2022 और 2023 में आतंकियों ने न केवल कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया बल्कि प्रवासी मजदूरों की भी लक्षित हत्याएं की। चुनाव में बाधा डालने के उनके तमाम प्रयास निष्फल हो जाने, लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक होने और इनमें लोगों की भागीदारी के भी रिकॉर्ड बनने से आतंकवादी हताश एवं निराश हो गये। पाकिस्तान बौखला गया। अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे, अशांति एवं आतंक फैलाते रहेंगे। लेकिन इन चुनौतियों को निस्तेज करने के लिये प्रांत एवं केन्द्र सरकार को कमर कसनी होगी। सुरक्षा बलों को नये तेवर दिखाने होंगे।

लक्षित हत्याएं न केवल पीड़ितों और उनके परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाती हैं, बल्कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी गहरा झटका देती हैं। ये हत्याएं न केवल जम्मू-कश्मीर के समाज के विविध ताने-बाने को कमजोर करती हैं, बल्कि घाटी में रहने वाले गैर-स्थानीय और अल्पसंख्यक समुदायों में असुरक्षा भी पैदा करती हैं। ये हत्याएं विकास को अवरूद्ध करती है, बल्कि उद्योग, व्यापार, पर्यटन एवं सौहार्द को भी खण्डित करती है। सुरक्षा बलों पर विभाजनकारी एवं आतंकी ताकतों के खिलाफ अपना दृढ़ रुख बनाए रखने का दायित्व है, जिसे संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने में स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग से बल मिलता है। जबकि घाटी में शांति ने प्रगति की है, इस नाजुक संतुलन को बाधित करने के किसी भी प्रयास का सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों, दोनों द्वारा कड़ा विरोध किया जाना चाहिए।

कश्मीर में लम्बे समय से अमनचैन एवं शांति के साथ विकास की गंगा प्रवहमान रही है। सुरक्षा बलों की सतर्कता से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में आई कमी और आम जनजीवन पर उनके घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने आम चुनावों के दरम्यान अपनी सक्रियता बढ़ा दी, लेकिन वे कुछ कर नहीं पाये। अब मौका मिलते ही उन्होंने ऐसे इलाकों को चुना है जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम और मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले, अफरा-तफरी मचे और पर्यटकों का आना कम हो। इसलिये आतंकियों ने इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड़ टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक तौर पर भी खासी अहमियत रखती है। इसके निर्माण से श्रीनगर और करगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाएगा। यही नहीं, इस टनल के जरिए पर्यटकों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में सुविधाजनक पहुंच भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

गांदरबल का हमला आतंकियों की एक बड़ी सफलता है, कश्मीर में आतंक-अशांति फैलाने और विकास की गति को अवरूद्ध करने की साजिश है। जाहिर है, पाकिस्तानी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर घाटी में एक बड़ी आतंकी घटना को सफलतापूर्वक अंजाम दे दिया जाना हमारे लिये चिन्ता के साथ चेतावनी भी है। यह घटना चेता भी रही है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निर्वाचन क्षेत्र गांदरबल में केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे टनल प्रोजेक्ट में कार्यरत सात प्रवासी श्रमिकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। मृतकों में एक स्थानीय डॉक्टर भी शामिल था। मरने वालों में पंजाब, बिहार और कठुआ के रहने वाले मजदूर शामिल हैं। कई श्रमिकों के घायल होने की खबर है जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। ये सभी श्रमिक काम खत्म करने के बाद मेस में खाना खाने बैठे थे। तभी आतंकवादियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। निश्चितरूप से यह आतंकवादियों की कायराना एवं शर्मनाक करतूत है। इस घटना से चार दिन पहले शोपियां में बिहार के एक मजदूर की हत्या कर दी थी। ये हत्याएं आतंकवाद की अंधाधुंध हिंसक एवं आतंकी प्रकृति को उजागर करती हैं जो अपने रास्ते में किसी को भी नहीं छोड़ते। निर्दोष नागरिकों की बेवजह हत्या किसी एक परिवार के किसी प्रियजन को ही नहीं छीनता बल्कि उन लोगों में भी खौफ पैदा करता है जो आतंकवाद की छाया में भी रोजी-रोटी कमाने के लिए जम्मू-कश्मीर में मजदूरी करते हैं।

क्या नई सरकार का गठन आतंकवादियों के लिये सहूलियतभरा है? ऐसा है तो इसके सन्देश को समझना होगा। स्वयं उमर अब्दुल्ला सरकार एवं नेशनल कांफ्रेंस का इसे गलत साबित करते हुए आतंकवादियों के खिलाफ सख्त होना होगा। एक बड़ा प्रश्न है कि जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद वहां सक्रिय आतंकवादियों और अलगाववादी ताकतों के हौसले एकाएक बुलंद क्यों हो गये? गौरतलब है कि जब जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस को बहुमत मिला था तो कश्मीर घाटी में इस जीत की खुशी में आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। वहां तक की पाकिस्तान के झंडे भी लहराए गए थे। ऐसा क्यों हुआ? इस तरह आतंकियों के हौसलें बुलन्द होना नवगठित सरकार एवं वहां की जनता के लिये गहन चिन्ता का विषय होना चाहिए। भले ही हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है। सबसे बड़ी बात यह कि अब आतंक के खिलाफ उठे इन स्वरों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की नुमाइंदगी कर रही आवाजें भी शामिल हैं।

सम्मिलित सुनियोजित प्रयासों से जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के बचे-खुचे निशानों से भी मुक्त करने का लक्ष्य अब पहुंच से दूर नहीं कहा जा सकता। लेकिन इसके लिये सन्देह एवं शंकाओं के घेरों को तोड़ना होगा। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के सफाए के लिए भारतीय सेना और सुरक्षा बल के जवान लगातार मुहिम चला रहे हैं उनके प्रयासों को बिना राजनीति किये तीक्ष्ण एवं तीव्र करना होगा। इस बीच जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की है जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। जाहिर है पाकिस्तान कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने के लिए सीमा पार से साजिशें कर रहा है। इसलिए, जम्मू कश्मीर में भारतीय सेना और सुरक्षाबलों को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है ताकि आतंकवादी कश्मीर घाटी में फिर ऐसी आतंकवादी घटना की पुनरावृत्ति न कर पाएं।

जनता ने स्पष्ट जनादेश देकर यह संदेश दिया कि घाटी में लोकतंत्र महके, ना कि दहके। यह जनादेश आतंकवाद और अलगाववाद से मुक्ति की चाहत का परिणाम है। राज्य की जनता ने अपनी उम्मीदों को लेकर सरकार चुनी और नेशनल कांफ्रेंस पर भरोसा जताया। नई सरकार के सामने जनता की उम्मीदों को पूरा करने की चुनौती तो है ही, सबसे बड़ी चुनौती तो आतंकवाद को जड़ से खत्म करना और ऐसा वातावरण सृजित करना है जिसमें आम आदमी खुद को सुरक्षित महसूस करे और इस क्षेत्र में विकास की धारा के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। जम्मू-कश्मीर में गरीबी, अन्याय और आतंकवाद के खिलाफ अभी लम्बा सफर तय करना बाकी है। आतंकवाद के पैर उखाड़ने के लिये जनता एवं सरकार की मिली-जुली शक्तियां सामने आये। (लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

महान गणितज्ञ सोफ़िया एलेक्ज़ेंड्रोवना

24 अक्टूबर पुण्य तिथि पर विशेष

सोफ़िया एलेक्ज़ेंड्रोवना का जन्म 31 जनवरी 1896 को प्रूज़नी, बेलारूस में हुआ सोफ़िया एलेक्ज़ेंड्रोवना नीमार्क के पिता, एलेक्ज़ेंडर नीमार्क, एक अकाउंटेंट थे। उनका जन्म कोब्रिन के पास एक गाँव प्रूज़नी में एक यहूदी परिवार में हुआ था, जो उस समय रूसी साम्राज्य का हिस्सा था, लेकिन अब बेलारूस में स्थित है। उनके जन्म के तुरंत बाद आयोजित 1897 की जनगणना में प्रूज़नी की जनसंख्या 7,634 दर्ज की गई, जिसमें लगभग 60 प्रतिशत यहूदी थे। हालाँकि, सोफ़िया प्रूज़नी में नहीं पली-बढ़ी; उसका परिवार काला सागर पर एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर ओडेसा में स्थानांतरित हो गया। 1905 में, ओडेसा ने श्रमिकों के विद्रोह का अनुभव किया, और सैकड़ों नागरिकों की दुखद मौत ने नौ वर्षीय सोफ़िया को गहराई से प्रभावित किया होगा। उन्होंने ओडेसा जिमनैजियम में शास्त्रीय विषयों और गणित का अध्ययन किया, जहाँ उन्हें गणित के इतिहास में एक प्रमुख विद्वान इवान जुरेविच टिमचेंको से निर्देश प्राप्त करने का सौभाग्य मिला, जो विशेष रूप से विश्लेषणात्मक कार्यों पर अपने काम के लिए जाने जाते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि उनका नाम विभिन्न रूपों में दिखाई देता है। सोफिया और सोफ़िया दोनों ही उनके पहले नाम के सामान्य रूप हैं, जबकि यानोव्स्काया और जानोव्स्काजा दोनों ही उनके विवाहित नाम के प्रचलित रूप हैं। उनका पहला नाम नेइमार्क था 1915 में, सोफिया नेइमार्क ने ओडेसा में महिलाओं के लिए उच्च विद्यालय में दाखिला लिया, जो ओडेसा के नोवोरोस्सियस्क विश्वविद्यालय से संबद्ध था। वहाँ, उन्होंने टिमचेंको के अधीन गणित का अध्ययन किया, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, और सैमुअल ओसिपोविच शातुनोव्स्की, जिन्हें समूह सिद्धांत, संख्या सिद्धांत और ज्यामिति जैसे विभिन्न गणितीय विषयों में गहरी रुचि थी। उन्होंने ज्यामिति, बीजीय क्षेत्रों, गैलोइस सिद्धांत और विश्लेषण की तार्किक नींव स्थापित करने के लिए स्वयंसिद्ध पद्धति का उपयोग किया। उनकी रुचि के विविध क्षेत्रों ने उनके छात्र नेइमार्क को बहुत प्रभावित किया। 1917 में रूसी क्रांति की शुरुआत के साथ, नेइमार्क राजनीति में सक्रिय रूप से शामिल हो गईं। जिमनैजियम में अध्ययन करते समय, वह पहले से ही भूमिगत रेड क्रॉस में शामिल हो गई थी, जो राजनीतिक कैदियों को सहायता प्रदान करती थी। नवंबर 1918 में, वह उस समय ओडेसा में अपनी अवैध स्थिति के बावजूद, रूसी कम्युनिस्ट पार्टी के बोल्शेविक गुट की सदस्य बन गईं। 1919 में, उन्होंने लाल सेना में एक राजनीतिक कमिसार के रूप में काम किया और ओडेसा में कोमुनिस्ट अखबार के संपादक की भूमिका निभाई। 1920 से 1923 तक, उन्होंने ओडेसा क्षेत्रीय पार्टी के लिए काम किया, इस दौरान उन्होंने अपनी शैक्षणिक गतिविधियों, विशेष रूप से गणित को पूरी तरह से अलग रखा। हालाँकि बोल्शेविकों ने देश को अर्थशास्त्रियों, वैज्ञानिकों, तकनीशियनों, प्रबंधकों, वकीलों, विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों, स्कूल शिक्षकों और लेखकों की आवश्यकता को पहचाना, लेकिन उनके अधिकांश समर्थक निरक्षर थे। इस अंतर को स्वीकार करते हुए, जानोवस्काजा ने 1923 में अपनी शिक्षा फिर से शुरू करने के लिए मजबूर महसूस किया और मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी में सेमिनारों में भाग लेना शुरू कर दिया। अगले वर्ष वह प्रोफेसरों के संस्थान में शामिल हो गईं, जिसे निम्न वर्ग के लोगों को शिक्षित करने के लिए बनाया गया था। प्रोफेसरों के संस्थान की स्थापना 1921 में हुई थी 1925 तक, जानोवस्काजा मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी में गणितीय पद्धति पर एक सेमिनार का नेतृत्व कर रही थीं और अगले वर्ष, वह एक संकाय सदस्य बन गईं। 1931 में, उन्हें प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया और चार साल बाद, उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। जबकि जानोवस्का के जीवन में घटनाओं का उपरोक्त विवरण स्पष्ट रूप से उनके राजनीतिक विचारों को दर्शाता है, गणित से उनके संबंध को इंगित करना चाहिए। उस समय उनकी भावनाओं का अंदाजा लगाने के लिए, हम अंडर द बैनर ऑफ मार्क्सिज्म (1930) पुस्तक में प्रकाशित उनके लेख से उद्धरण देते हैं यदि प्राकृतिक वैज्ञानिकों के बीच मार्क्सवादी विचारों का प्रतिशत कम था, तो गणितज्ञों के बीच यह और भी कम था... तथाकथित मॉस्को स्कूल के पुराने प्रोफेसरों के पास गणित में एक अडिग अधिकार था, और उन्होंने भौतिकवादी दर्शन के घातक प्रभाव से गणित की रक्षा करने के लिए सब कुछ किया, जो अपनी पक्षपातपूर्ण प्रवृत्तियों और अपने वर्ग, सर्वहारा चरित्र को नहीं छिपाता था। यहाँ तक कि गणित और यांत्रिकी संस्थान या गणितीय सोसायटी ने भी कॉमरेड शब्द को स्वीकार नहीं किया... इसके विपरीत, इस सोसायटी के सदस्यों में श्वेत प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा था। हालांकि, जानोवस्का रिपोर्ट कर सकती थीः- ... क्रांति ने अंततः गणित और यांत्रिकी संस्थान को प्रभावित किया। संस्थान के प्रबंधन में आमूलचूल परिवर्तन हुआ। हालाँकि, लेनिनग्राद गणितीय सोसायटी का चल रहा शुद्धिकरण, जहाँ एक लोकप्रिय गणितीय सोसायटी की स्थापना के विचार को लगभग सभी गणितज्ञों द्वारा बड़े पैमाने पर खारिज कर दिया गया है, हाथ में मौजूद कार्य की जटिलता को उजागर करता है और प्रदर्शित करता है... गणितज्ञों को वर्गीकृत करने और वास्तविक सोवियत तत्वों की पहचान करने का उद्देश्य एक चुनौतीपूर्ण और दबावपूर्ण मुद्दा है। यह एक ऐसा मामला है जिसके लिए अत्यधिक सतर्कता की आवश्यकता है। 1935 में एक दिलचस्प घटना घटी, जैसा लुडविग विट्गेन्स्टाइन ने जानोवस्काजा से मुलाकात की और यूएसएसआर में स्थानांतरित होने का इरादा व्यक्त किया। हालाँकि, जानोवस्काजा ने उन्हें पुनर्विचार करने और अंततः इस योजना को छोड़ने के लिए मना लिया। जर्मनी और सोवियत संघ के बीच संघर्ष 22 जून, 1941 को शुरू हुआ, जब जर्मन सैनिकों ने पोलैंड के सोवियत कब्जे वाले हिस्से पर आक्रमण किया। हालाँकि जर्मन सेना ने हिटलर के आदेश के तहत मास्को की ओर अपनी प्रगति को अस्थायी रूप से रोक दिया, लेकिन उन्होंने अक्टूबर तक अपना आक्रमण फिर से शुरू कर दिया और दिसंबर तक मास्को को घेर लिया गया। जनोवस्काजा को मॉस्को विश्वविद्यालय के अन्य संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ पर्म (जिसका नाम 1940 में मोलोटोव के नाम पर रखा गया था) में ले जाया गया, जहाँ उन्होंने सामान्य बीजगणित विभाग में पाठ्यक्रम पढ़ाया। वह 1943 में मॉस्को लौट आईं और उन्हें मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी में गणितीय तर्क संगोष्ठी का निदेशक नियुक्त किया गया। जनोवस्काजा ने गणित और तर्क के दर्शन पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने फ्रेगे के दार्शनिक लेखन की आलोचना की। गणितीय तर्क में उनके योगदान ने सोवियत संघ में इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1931 में जनोवस्काजा ने लिखाः- पूंजीवाद का आधुनिक संकट भौतिकवादी उपकरणों और विधियों (अंतर्ज्ञानवाद) को गणित से छीन लेता है, सिद्धांत और व्यवहार के बीच की खाई को चौड़ा करता है, और इसके सहज और अनियोजित चरित्र को बढ़ाता है।

गणित का इतिहास एक और रोचक विषय था जिसने जानोवस्का को आकर्षित किया और उन्होंने मिस्र के गणित पर कार्य प्रकाशित किए - मिस्र के भिन्नों के सिद्धांत पर (1947), ज़ेनो ऑफ़ एलिया के विरोधाभास, मिशेल रोले में कैलकुलस , जो कि इनफ़िनिटिमल एनालिसिस के रूप में हैं (1947), डेसकार्टेस की ज्यामिति , और गैर-यूक्लिडियन ज्यामिति पर लोबाचेवस्की के कार्य जैसे शोधपत्र एन आई लोबाचेवस्की के प्रमुख विचार है। - गणित में कैलकुलस (1950), एन आई लोबाचेवस्की के दर्शन पर (1950), और एन आई लोबाचेवस्की के विश्व दर्शन पर (1951)। जनोवस्काजा ने 1917 और 1957 के बीच यूएसएसआर में गणितीय तर्क के इतिहास के दो प्रमुख अध्ययन प्रकाशित किए। पहला भाग 1948 में प्रकाशित हुआ और दूसरा भाग 1959 में प्रकाशित हुआ।

जनोवस्काजा के काम का एक महत्वपूर्ण पहलू गणितीय तर्क में उच्च अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कार्यों का रूसी में अनुवाद करना और उनका संपादन करना था। उदाहरण के लिए 1947 में उन्होंने रूसी में अनुवाद किया और हिल्बर्ट और एकरमैन के ग्रुंडज़ुगे डेर थियोरिटिसचेन लॉजिक को प्रकाशित किया, और 1948 में टार्स्की के तर्क और निगमनात्मक विज्ञान की कार्यप्रणाली का परिचय प्रकाशित किया। बाद में उन्होंने पोलिया के गणित और प्रशंसनीय तर्क, कार्नाप के अर्थ और आवश्यकता, और ट्यूरिंग के अत्यधिक महत्वपूर्ण के रूसी संस्करण तैयार किए। उन्होंने गुडस्टीन, चर्च और क्लेन के कार्यों के अनुवाद भी किए। जानोवस्का के काम के कुछ उदाहरण में स्वयंसिद्ध पद्धति के इतिहास पर 1958 में यूक्लिड के तत्व प्रकाशित हुआ था। लेख का पहला भाग काफी हद तक यूक्लिड के तत्वों और अरस्तू के कार्यों, विशेष रूप से उनके पोस्टीरियर एनालिटिक्स में स्वयंसिद्धों की चर्चा है। इसके बाद एल्गोरिदम के सिद्धांत और प्रमाण, निर्माण और समाधान की गणितीय अवधारणाओं के बारे में सामान्य टिप्पणियाँ हैं। 1966 में उन्होंने गणित के रचनात्मक विकास में गणितीय की भूमिका और विशेष रूप से डेसकार्टेस की ज्यामिति पर प्रकाशित किया। अपने शीर्षक के बावजूद, यह पत्र ऐतिहासिक दृष्टिकोण के बजाय गणितीय दृष्टिकोण से लिखा गया है। जनोवस्का का दावा है कि गणितीय कठोरता की आवश्यकता का एक उदाहरण यह तथ्य है कि तीन शास्त्रीय ग्रीक समस्याओं का समाधान तब तक नहीं हुआ जब तक कि उन्हें अधिक कठोरता से तैयार नहीं किया गया। एल गुगेनबुहल एक समीक्षा में लिखते हैं:-लेख में गणितीय विधि और गणितीय तर्क की ऐसी अवधारणाओं जैसे कि बहुलता का सिद्धांत, एल्गोरिदम का सिद्धांत, पूर्ण गणितीय प्रेरण का नियम, पुनरावर्ती कार्य और ट्यूरिंग मशीन की चर्चा शामिल है। यूक्लिडियन ज्यामिति के निर्माण को रूलर और कम्पास के रूप में वर्णित किया गया है। लेखक फिर कार्टेशियन ज्यामिति के तरीकों को शामिल करने के लिए निर्माण के साधनों के विस्तार का पता लगाता । बीजगणित के लिए ज्यामितीय समाधान खोजने की समस्या विश्लेषण दिया । उन्होंने गणितीय तर्क को एक आत्मनिर्भर और सम्मानजनक विज्ञान के रूप में पेश किया, जिसका गणित में विश्वास या गणित से कोई लेना-देना नहीं है। उनकी मृत्यु 24 अक्टूबर 1966 को मास्को, यूएसएसआर में हुआ लेकिन ज्यामिति के उपकरणों का सिद्धांत को लोग आज भी याद करते हैं।(लेखक-संजय गोस्वामी/ईएमएस)

संतान की मंगलकामना का पर्व है अहोई अष्टमी

अहोई अष्टमी (24 अक्तूबर) पर विशेष

भारत में हिन्दू समुदाय में करवा चौथ के चार दिन पश्चात् और दीवाली से ठीक एक सप्ताह पहले एक प्रमुख त्यौहार ‘अहोई अष्टमी’ मनाया जाता है, जो प्रायः वही स्त्रियां करती हैं, जिनके संतान होती है किन्तु अब यह व्रत निसंतान महिलाएं भी संतान की कामना के लिए करती हैं। ‘अहोई अष्टमी’ व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 24 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के लिए बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विध्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परम्परानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं।

अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में कुछ कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में किसी नगर में एक साहूकार रहता था। उसके सात लड़के थे। दीपावली से पहले साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में गई और कुदाल से मिट्टी खोदने लगी। दैव योग से उसी जगह एक सेह की मांद थी। सहसा उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग गई, जिससे सेह का बच्चा तत्काल मर गया। अपने हाथ से हुई हत्या को लेकर साहूकार की पत्नी को बहुत दुख हुआ परन्तु अब क्या हो सकता था? वह पश्चाताप करती हुई शोकाकुल अपने घर लौट आई। कुछ दिनों बाद उसके बेटे का निधन हो गया। फिर अकस्मात दूसरा, तीसरा और इस प्रकार वर्ष भर में उसके सभी बेटे मर गए। महिला अत्यंत व्यथित रहने लगी। एक दिन उसने अपने आस-पड़ोस की महिलाओं को विलाप करते हुए बताया कि उसने जानबूझकर कभी कोई पाप नहीं किया। हां, एक बार खदान में मिट्टी खोदते हुए अनजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या अवश्य हुई है और तत्पश्चात मेरे सातों बेटों की मृत्यु हो गई। यह सुनकर पास-पड़ोस की वृद्ध औरतों ने साहूकार की पत्नी को दिलासा देते हुए कहा कि यह बात बताकर तुमने जो पश्चाताप किया है, उससे तुम्हारा आधा पाप नष्ट हो गया है। तुम उसी अष्टमी को भगवती माता की शरण लेकर सेह और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर उनकी आराधना करो और क्षमा-याचना करो। ईश्वर की कृपा से तुम्हारा पाप धुल जाएगा। साहूकार की पत्नी ने वृद्ध महिलाओं की बात मानकर कार्तिक मास की कृष्णपक्ष की अष्टमी को उपवास व पूजा-याचना की। वह हर वर्ष नियमित रूप से ऐसा करने लगी। बाद में उसे सात पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई।

अहोई व्रत के संबंध में एक और कथा प्रचलित है। बहुत समय पहले झांसी के निकट एक नगर में चन्द्रभान नामक साहूकार रहता था। उसकी पत्नी चन्द्रिका बहुत सुंदर, सर्वगुण सम्पन्न, सती साध्वी, शीलवन्त, चरित्रवान तथा बुद्धिमान थी। उसके कई पुत्र-पुत्रियां थे परन्तु वे सभी बाल अवस्था में ही परलोक सिधार चुके थे। दोनो पति-पत्नी संतान न रह जाने से बहुत व्यथित रहते थे। वे दोनों प्रतिदिन मन ही मन सोचते कि हमारे मर जाने के बाद इस अपार धन-सम्पदा को कौन संभालेगा? एक बार उन दोनों ने निश्चय किया कि वनवास लेकर शेष जीवन प्रभु-भक्ति में व्यतीत करें।

यही विचार कर दोनों अपना घर-बार त्यागकर वनों की ओर चल दिए। रास्ते में जब थक जाते तो रूककर थोड़ा विश्राम कर लेते और फिर चल पड़ते। इस प्रकार धीरे-धीरे वे बद्रिका आश्रम के निकट शीतल कुण्ड जा पहुंचे। वहां पहुंचकर दोनों ने निराहार रहकर प्राण त्यागने का निश्चय कर लिया। निराहार व निर्जल रहते हुए जब उन्हें सात दिन हो गए तो आकाशवाणी हुई कि तुम दोनों प्राणी अपने प्राण मत त्यागो। यह सब दुख तुम्हें तुम्हारे पूर्व पापों से भोगना पड़ा है। यदि तुम्हारी पत्नी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजन करे तो अहोई देवी प्रसन्न होकर साक्षात दर्शन देंगी। तुम उनसे दीर्घायु पुत्रों का वरदान मांग लेना। व्रत के दिन तुम राधाकुण्ड में स्नान करना।

चन्द्रिका ने आकाशवाणी के बताए अनुसार विधि-विधान से अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजा-अर्चना की और तत्पश्चात राधाकुण्ड में स्नान किया। जब वे स्नान इत्यादि के बाद घर पहुंचे तो उस दम्पत्ति को अहोई माता ने साक्षात दर्शन देकर वर मांगने को कहा।

साहूकार दम्पत्ति ने हाथ जोड़कर कहा, ‘‘हमारे बच्चे कम आयु में ही परलोक सिधार जाते हैं। आप हमें बच्चों की दीर्घायु का वरदान दें।’’

‘‘तथास्तु!’’ कहकर अहोई माता अंतर्ध्यान हो गई। कुछ समय के बाद साहूकार दम्पत्ति को दीर्घायु पुत्रों की प्राप्ति हुई और वे सुखपूर्वक अपना गृहस्थ जीवन व्यतीत करने लगे।

देवी पार्वती को अनहोनी को होनी बनाने वाली देवी माना गया हैं, इसलिए अहोई अष्टमी पर माता पर्वती की पूजा की जाती है और संतान की दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की जाती है। (लेखक – योगेश कुमार गोयल/ईएमएस) (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

शब्द पहेली - 8167

बाएँ से दाएँ

1. पाबंदी, संयम, पाश-3
3. मनुष्य, इंसान-3
5. शारीरिक ऊंचाई-2
6. नलका, टूंटी
8. प्रलय, महासंकट-4
11. दही से बना खाद्य पदार्थ-3
13. निर्माण, निर्मिती-3
14. हुनर, आर्ट-2
15. उम्मीद, आशा-2
16. खाना बनाना-3
18. असफल, अनुतीर्ण-3
20. आभास, भास-3
22. वध-2
24. जी, इच्छा, चित-2
25. सब्जी का सड़ना, बर्फ का पिघलना-3
26. याद करना-3

ऊपर से नीचे

1. हड़ताल, स्थिर, रुका हुआ-2
2. लवण -3
3. विश्राम, राहत-3
4. मछली, मत्स्य, राशि चक्र की एक राशि-2
5. बूंद-3
7. शरमाना-3
9. दोस्त, मित्र-2
10. बहुत प्यासा होना-4
12. एकटक निहारना-3
16. शरण, आश्रय-3
17. सम्मान-2
19. चिंतन-3
20. मकान, इमारत-3
21. कमी, थोड़ा-3
23. तज देना-2
24. इंकार, मनाही-2

शब्द पहेली -8166 का हल

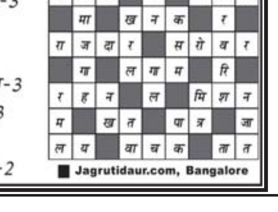

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

न्यूज़ीलैंड के चाड बोवेस ने बना दिया नया कीर्तिमान........103 गेंद पर डबल सेंचुरी

तूफानी पारी में 150 रन बाउंड्री से बनाए

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के चाड बोवेस ने तूफानी बल्लेबाजी का नया इतिहास बना दिया है। चाड बोवेस ने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ दिया है। 32 साल के बल्लेबाज ने महज 103 गेंद पर डबल सेंचुरी जमाई। चाड बोवेस ने अपनी तूफानी पारी में 150 रन बाउंड्री से बनाए। न्यूजीलैंड के लिए 17 मैच खेल चुके बोवेस घरेलू क्रिकेट में कैंटरबरी के लिए खेलते हैं। उन्होंने कैंटरबरी के लिए 103 गेंद पर दोहरा शतक ठोक दिया। उन्होंने यह पारी ओटागो के खिलाफ खेली। बोवेस 110 गेंद पर 205 रन बनाकर आउट हुए। उनकी आतिशी पारी में 27 चौके और 7 छक्के शामिल थे। चाड की इस पारी की बदौलत कैंटरबरी ने 50 ओवर में 343 रन का स्कोर बनाया। ओटागो की टीम इसके जवाब में 24.5 ओवर में 103 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

बोवेस ने इसके साथ ही एन. जगदीशन और ट्रेविस हेड का लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरे शतक का संयुक्त रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ट्रेविस हेड ने 2021 में साउथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से क्वींसलैंड के खिलाफ 114 गेंद पर दोहरा शतक लगाया था। उन्होंने तब 127 गेंद में 230 रन की पारी खेली थी। हेड ने अपनी पारी में 28 चौके और 8 छक्के लगाए थे। वहीं जगदीशन ने 2022 में तमिलनाडु के लिए खेलकर अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 114 गेंदों पर ही दोहरा शतक पूरा किया था। उन्होंने तब 141 गेंद में 277 रन की पारी खेली थी। जगदीशन ने अपनी पारी में 15 छक्के और 25 चौके जमाए थे। बोवेस ने न्यूजीलैंड के लिए 6 वनडे और 11 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को थकाने वाले पुजारा को मिल सकता हैं टीम में मौका

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट में पहली पारी में 46 रन पर ढेर होने से बल्लेबाजी क्रम पर सवाल खड़े हो रहे हैं। भारत को अगला दौरा ऑस्ट्रेलिया का करना है जहां टीम 36 रन पर ऑलआउट हो चुकी है। हालांकि इसके बाद वापसी कर टीम ने सीरीज पर कब्जा किया था। इसकारण ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की टीम में वापसी हो सकती है।

पुजारा पिछले दो ऑस्ट्रेलिया दौरों में पैट कमिंस और उनकी टीम के लिए एक बुरा सपना साबित हुए थे। अगले महीने से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में पुजारा को मौका मिल सकता है। चयनकर्ता 28 अक्टूबर को टीम की घोषणा करने वाले हैं। मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और उनकी टीम पुजारा के अनुभव पर भरोसा करती है, तब उन्हें टीम में जगह मिल सकती है। 36 साल के पुजारा ने 2018-19 की सीरीज में 521 रन बनाए थे और तीन साल बाद फिर से भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ बने जब उन्होंने 271 रन जोड़े थे। दोनों टीमों के बीच 103 टेस्ट मैचों के अनुभवी पुजारा ने सबसे ज्यादा गेंदों का सामना किया। दौरे पर उन्होंने कंगारू तेज गेंदबाज पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क को खूब धोया था। पुजारा ने पिछले साल जून में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद से भारत के लिए कोई मैच नहीं खेला है ।

लेकिन ये सच हैं कि पुजारा की बड़ी पारियों की भूख अभी भी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के हालिया सीजन में छत्तीसगढ़ के खिलाफ 234 रन की बेहतरीन पारी खेली है। इस बल्लेबाज को विकेट पर टिकने के लिए जाना जाता है।

महिला एक दिवसीय : भारत और न्यूजीलैंड आज आमने-सामने

वनडे विश्व कप की तैयारी शुरू करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

अहमदाबाद (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला से अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी कर रही है। तीन मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला 24 अक्टूबर को होगा, दूसरा 27 और तीसरा 29 को खेला जाएगा। तीनों मुकाबले अहमदाबाद में ही खेले जाएगें। इसमें टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की कप्तानी भी दांव पर लगी हुई है।

हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां वे ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थीं। हरमनप्रीत ने इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाए, फिर भी उनकी कप्तानी की आलोचना की गई। ऐसे में इस श्रृंखला में उनके प्रदर्शन और नेतृत्व की परीक्षा होगी। हरमनप्रीत के लिए यह श्रृंखला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्हें अपने खेल और टीम को एक नई दिशा देने की आवश्यकता है। टीम के सामने चुनौती यह होगी कि वे न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर सकें। कीवी टीम ने हाल ही में टी20 विश्व कप जीतकर आत्मविश्वास हासिल किया है, और वे अपने विजय अभियान को जारी रखना चाहेंगी।

इस श्रृंखला में भारतीय टीम को विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष की सेवाएं नहीं मिलेंगी, जो अपनी 12वीं की परीक्षा के कारण अनुपस्थित रहेंगी। इसके अलावा, अनुभवी ऑलराउंडर आशा सोबना भी चोटिल होने के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं, और तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर भी पिछले टूर्नामेंट में चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला से बाहर हैं।

भारतीय टीम में नए चेहरों के तौर पर तेजल हसब्निस, साइमा ठाकोर, और प्रिया मिश्रा को शामिल किया गया है, जो युवा प्रतिभाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। टीम की सफलता काफी हद तक सलामी बल्लेबाजों शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। ये दोनों बल्लेबाज पिछले विश्व कप में निरंतरता नहीं दिखा पाईं, लेकिन इस बार उनके ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी होगी। कप्तान हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्स को मध्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी, विशेषकर तब जब टीम को रिचा घोष की कमी खलेगी। यह श्रृंखला नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेली जाएगी, और सभी खिलाड़ियों की नजरें एक सफल अभियान पर होंगी।

टीम इस प्रकार हैं :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, डी हेमलता, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), सयाली सतगारे, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, तेजल हसब्निस, साइमा ठाकोर, प्रिया मिश्रा, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल।

न्यूजीलैंड : सोफी डिवाइन (कप्तान), सुजी बेट्स, एडेन कार्सन, लॉरेन डाउन, इज़ी गेज़ (विकेटकीपर), मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, पॉली इंगलिस (विकेटकीपर), फ्रान जोनास, जेस केर, मेली केर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, ली ताहुहु।

समय : दोपहर 1.30 बजे से।

डोमिनिक थिएम ने टेनिस से संन्यास की घोषणा की......फेडरर और राफेल नडाल ने दी बधाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑस्ट्रिया के महान टेनिस खिलाड़ी डोमिनिक थिएम ने एर्स्टे बैंक ओपन में इटली के लुसियानो डार्डेरी से हारने के बाद पेशेवर टेनिस से संन्यास की घोषणा कर दी है। अपने अंतिम मैच में थिएम ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर पहले सेट में बढ़त भी हासिल की, लेकिन डार्डेरी ने वापसी कर उन्हें 7-6 (6), 6-2 से मात दी। यह मैच थिएम के शानदार करियर का अंतिम अध्याय बन गया, इस दर्शकों ने खड़े होकर तालियों के साथ सम्मानित किया।

डोमिनिक थिएम ने अपने करियर में 2020 यूएस ओपन का खिताब जीता, जो उनका पहला और एकमात्र ग्रैंड स्लैम था। इसके अलावा, वे तीन अन्य ग्रैंड स्लैम फाइनल में भी पहुंचे और कुल 17 एटीपी एकल खिताब अपने नाम किए। अपने करियर के शिखर पर उन्होंने एटीपी रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया और छह साल तक शीर्ष 10 खिलाड़ियों में बने रहे। थिएम के प्रभावशाली खेल में उनका ट्रेडमार्क बैकहैंड और मजबूत मानसिकता खास थी, जिसने उन्हें बड़े मुकाबलों में खतरनाक खिलाड़ी बना दिया। टेनिस जगत के दो दिग्गज खिलाड़ी, रोजर फेडरर और राफेल नडाल ने भी थिएम के संन्यास पर उन्हें बधाई दी। फेडरर ने पोस्ट में लिखा, बधाई डोमी। चाहे कोई भी सतह हो, आपने हमेशा अपने शानदार बैकहैंड से मुझे हराने का तरीका ढूंढ लिया। आपने खेल भावना और शालीनता के साथ इस काम को किया। थिएम ने फेडरर के खिलाफ अपने 7 मुकाबलों में से 5 जीते थे। वहीं, नडाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, डैंके डोमी, और थिएम के साथ कोर्ट पर बिताए पलों को याद किया।

थिएम ने अपने आखिरी मैच के बाद भावुक होकर दर्शकों और अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ महीनों में मैंने बहुत से अलविदा कहे हैं, लेकिन आज मैं इन सभी अद्भुत वर्षों के लिए आपका धन्यवाद कहना चाहता हूं। यह यात्रा एक सपने की तरह रही है। थिएम के करीबी दोस्त और साथी खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी पोस्ट किया, टेनिस करियर का अंत हो सकता है, लेकिन दोस्ती जीवन भर रहती है।

लगातार तीसरे दिन लाल हुआ बाजार...आईटी शेयरों ने बचाई लाज

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट दिखाई दी। विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की ओर से जमकर शेयरों की बिकवाली, चीन की तरफ उनके झुकाव और मिडिल-ईस्ट तनाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट नहीं थम सकी। इसके अलावा, अमेरिका में आगामी 5 नवंबर को हो रहे राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बनी अनिश्चितता से भी निवेशकों में घबराहट दिखाई दी। हालांकि, आईटी शेयरों ने इसकी गिरावट से बचाने में कामयाबी हासिल की। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स बुधवार को 138.74 अंक की गिरावट के साथ 80,081.98 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 50 36.60 अंक लुढ़ककर 24,435.50 के लेवल पर बंद हुआ।

बुधवार को बाजार में निफ्टी आईटी एक मात्र ऐसा सेक्टर रहा जो 1 प्रतिशत से ज्यादा की उछाल दर्ज कर सका। चूंकि, भारतीय शेयर बाजार में आईटी और बैंकिंग शेयरों का वजन ज्यादा होता है, इसकारण अगर ये सेक्टर बढ़ते हैं,तब बाजार को मजबूती मिलती है।

इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी (0.16 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.33प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (0.45 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.7प्रतिशत) और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर हरे निशान में बंद हुए। मगर खास बढ़त देखने को नहीं मिली। सबसे बड़ी गिरावट बुधवार को फार्मा सेक्टर में दिखाई दी। फार्मा सेक्टर के शेयर बुधवार को ओवरआल 1.56 प्रतिशत तक गिर गए। जबकि, अन्य सेक्टर्स में 1 प्रतिशत से कम की गिरावट देखने को मिली।

बुधवार को 30 शेयरों वाले सेंसेक्स पर बजाज फाइनेंस के शेयर ने सबसे बड़ी, 4.95 प्रतिशत की उछाल दर्ज की। बजाज फाइनेंस का शेयर बुधवार को 7007.95 रुपये पर बंद हुए। गौरतलब है कि एनबीएफसी कंपनी ने 22 अक्टूबर को ही दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए थे। इसके अलावा, टेक महिंद्रा, टीसीएस,एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस और कोटक बैंक के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए। इसी तरह 50 शेयरों वाले निफ्टी-50 में सिर्फ 18 शेयर बढ़त बनाने में कामयाब रहे। निफ्टी-50 के टॉप गेनर स्टॉक्स में टॉप-5 में बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, टाटा कंज्यूमर, बजाज ऑटो और ,एचडीएफसी बैंक जगह बनाने में कामयाब रहे। वहीं सबसे बड़ी, 3.23 प्रतिशत की गिरावट, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में देखने को मिली। इसके अलावा, सनफार्मा, पावरग्रिड, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, आईसीआईसीआईबैंक , टाइटन, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, जेएस डब्ल्यू स्टील, नेस्ले इंडिया के शेयर 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए।

ग्लोबल मार्केट

एशियाई बाजारों में सियोल, शंघाई और हांगकांग उच्च स्तर पर बंद हुए, जबकि टोक्यो में गिरावट दर्ज की गई। यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला, जबकि मंगलवार को अमेरिकी बाजार सपाट बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.97 प्रतिशत गिरकर 75.30 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

लेबनान की मस्जिद में मिला हथियारों का जखीरा

-हिज्बुल्लाह ने छिपाए ग्रेनेड लॉन्चर और मिसाइलें

तेल अवीव (ईएमएस)। लेबनान और गाजा में इजरायल के हमले जारी है। दोनों ही मोर्चों पर इजरायल जोरदार हमले कर रहा है। एक तरफ हवाई हमले हो रहे हैं, तो दूसरी तरफ जमीन पर सैन्य और सर्च अभियान चल रहा है। इसी दौरान दक्षिणी लेबनान के एक नागरिक इलाके के बीचो बीच स्थित एक मस्जिद में हिज्बुल्लाह के हथियारों का जखीरा बरामद किया गया है। इसमें ग्रेनेड लांचर, कंधे से दागी जाने वाली मिसाइलें, आरपीजी, लड़ाकू जैकेट, कॉर्नेट मिसाइलें और घातक हथियार शामिल हैं।

इजरायल डिफेंस फोर्सेस ने अपने ऑफिशियल एक्स (ट्विटर) अकाउंट के जरिए हथियारों की तस्वीर साझा की है। इसके साथ ही लिखा है कि हिज्बुल्लाह के लड़ाके नागरिक इलाकों का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए कर रहा है। मस्जिद हथियार रखने की जगह नहीं है, लेकिन हिज्बुल्लाह ने इसे आतंक के केंद्र बना रखा है। बुधवार को आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान के शहर पर पांच जगह हवाई हमला किया है। इस दौरान कई मिसाइल और रॉकेट शहरों के बीच में गिरी हैं। इससे पहले मंगलवार को भी इजरायली सेना ने जोरदार हमला किया। इसमें के कम से कम एक दर्जन लोग मारे गए। गाजा की तर्ज पर इजरायली सेना ने लेबनान में हिज्बुल्लाह को खत्म करने के लिए बड़ा अभियान शुरु किया है। इसके तहत उसके ठिकाने को निशाना बनाकर दक्षिणी बेरूत में रफीक हरीरी यूनिवर्सिटी अस्पताल के पास एक इमारत पर जोरदार हमला किया गया। इसमें कई लोग मारे गए, तो कई लापता बताए जा रहे हैं। इन लोगों की तलाश की जा रही है।

बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर ताजा हमलों के फौरन बाद देर रात एक विमान बेरूत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। इसमें लेबनानी सेना का कहना है कि उनका मकसद हिज्बुल्लाह के लड़ाकों को बॉर्डर पर खदेड़ना है। वहीं लेबनानी अधिकारियों के मुताबिक इजरायल के अभियान की वजह से 1.2 मिलियन से ज्यादा लोग कई बार विस्थापित हो चुके हैं। इस बीच इजरायल ने हिज्बुल्लाह के उत्तराधिकारी हाशेम सफीद्दीन की मौत की पहली बार पुष्टि की है। वहीं, इस जंग को रोकने और समझौते कराने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन लेबनान के दौरे पर हैं। उनका यह 11वां दौरा है। हमास चीफ याह्या सिनवार की मौत के बाद ब्लिंकन गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई को लेकर मिडिल ईस्ट के दौरे पर तेल अवीव पहुंचे हैं। वहां उन्होंने इजरायली रक्षा मंत्री से मुलाकात की और फिर इससे पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की थी। करीब दो घंटे से अधिक समय तक उनके बीच चर्चा हुई।

अरे भाई देख लो सच्चाई...... .अब सपनों का देश नहीं रहा कनाडा

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में वापसी के लिए उतरेगी टीम इंडिया

पुणे (ईएमएस)। पहले टेस्ट मैच में अप्रत्याशित हार से आहत भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में वापसी करने के लिए गुरुवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में संतुलित टीम चयन करना होगा। पहले टेस्ट में भारत की पहली पारी महज 46 रन पर सिमट गई, जबकि दूसरी पारी में सुधार के बावजूद टीम को आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

इस हार के कारण भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में कुछ अंक गंवाने पड़े हैं, और आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम की प्राथमिकता न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पुणे के एमसीए स्टेडियम की पिच को भारतीय परिस्थितियों के अनुसार तैयार किया गया है, जिसमें घास नहीं है और यह काली मिट्टी से बनी है, जिससे न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों को बेंगलुरु जैसी उछाल नहीं मिलेगी।

पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों विलियम ओरूर्के, मैट हेनरी और टिम साउदी ने भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। भारत टर्निंग विकेट तैयार कर सकता है, लेकिन इस पर ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि अतीत में ऐसा दांव उल्टा भी पड़ चुका है। उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया ने आठ साल पहले इसी पिच पर भारत को 333 रन से हराया था।

टीम में कुछ बदलाव की उम्मीद है। शुभमन गिल वापसी के लिए तैयार हैं, और केएल राहुल या सरफराज खान में से किसी एक को उनके लिए जगह बनानी होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर राहुल को अधिक मौके देने के पक्ष में हैं, जबकि सरफराज ने बेंगलुरु में 150 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत की है। भारतीय टीम को सीनियर बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद है। कोहली ने 2019-20 के सत्र में यहां 254 रन की नाबाद पारी खेली थी और वह इस प्रदर्शन से प्रेरणा लेना चाहेंगे।

भारत की गेंदबाजी भी चिंता का विषय है, खासकर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के निरंतर खराब प्रदर्शन के कारण। टीम प्रबंधन आकाशदीप को मौका देने पर विचार कर सकता है। दूसरी तरफ, अगर पिच से स्पिन गेंदबाजों को मदद मिलती है, तो रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा इसका पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार रहेंगे। न्यूजीलैंड की टीम भी पहले टेस्ट में रचिन रविंद्र के शतक के बाद अन्य बल्लेबाजों से उपयोगी योगदान की उम्मीद कर रही है। भारतीय टीम को वापसी करने के लिए इस मैच में अपनी पूरी ताकत लगानी होगी।

टीम इस प्रकार हैं :

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, वाशिंगटन सुंदर।

न्यूजीलैंड : टॉम लैथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, मार्क चैपमैन, विल यंग, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर, रचिन रवींद्र, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), अजाज पटेल, मैट हेनरी, टिम साउदी,, विलियम ओरूर्के, जैकब डफी।

सोना हुआ सस्ता, चांदी भी एक लाख से नीचे फिसली

- सोना 78,600 प्र?ति 10 ग्राम, चांदी 99,450 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह दो दिन लगातार तेजी के बाद बुधवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी थम गई। आज दोनों के वायदा भाव मंगलवार को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए थे। सोने के वायदा भाव 78,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 99,450 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को चांदी एक लाख रुपये के ऊपर चली गई थी। वै?श्विक बाजार में भी सोने-चांदी की वायदा कीमतों में सुस्ती देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 179 रुपये की गिरावट के साथ 78,477 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 32 रुपये की गिरावट के साथ 78,624 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 467 रुपये की गिरावट के साथ 99,505 रुपये पर खुला। इस समय यह 522 रुपये की गिरावट के साथ 99,450 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव में सुस्ती देखी जाने लगी। कॉमेक्स पर सोना 2,762.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,759.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 6.40 डॉलर की गिरावट के साथ 2,753.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 35.05 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 35.04 डॉलर था। इस समय यह 0.25 डॉलर की गिरावट के साथ 34.79 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पेटीएम को नए यूपीआई यूजर्स जोड़ने के लिए एनपीसीआई से मंजूरी मिली

- पेटीएम ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज को सू?चित कर ?दिया है

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने पेटीएम को नए यूपीआई उपयोगकर्ताओं को जोड़ने की मंजूरी दे दी है। पेटीएम ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज को बताया ?कि हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि 22 अक्टूबर 2024 के पत्र के माध्यम से, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने सभी एनपीसीआई प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों और परिपत्रों के पालन के साथ कंपनी को नए यूपीआई उपयोगकर्ताओं को जोड़ने की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने इसके साथ ही एनपीसीआई द्वारा जारी किया गया मंजूरी पत्र भी लगाया है। पत्र के अनुसार यह अनुमोदन एनपीसीआई द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सभी प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों और परिपत्रों के पालन के अधीन है, जिसमें विशेष रूप से जोखिम प्रबंधन, ऐप और क्यूआर के लिए ब्रांड दिशानिर्देश, बहु-बैंक दिशानिर्देश, टीपीएपी बाजार हिस्सेदारी और ग्राहक डेटा पर जारी दिशानिर्देश और परिपत्र शामिल हैं।

सुंदर पिचाई, सत्या नडेला और शांतनु नारायण के बाद .....पाम कौर संभालेगी ये जिम्मेदारी

लंदन (ईएमएस)। भारतीय मूल की पाम कौर को एचएसबीसी (हांगकांग एंड शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन) का नया चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) बनाया गया है, जिससे वे इस प्रतिष्ठित कंपनी के 160 साल के इतिहास में पहली महिला सीएफओ बनी हैं। यह पदभार वह 1 जनवरी 2025 से संभालेंगी। इस ऐतिहासिक नियुक्ति के साथ, पाम कौर वैश्विक वित्तीय सेवा क्षेत्र में भारतीयों की बढ़ती उपस्थिति को और मजबूती प्रदान करती हैं, जैसे कि सुंदर पिचाई (गूगल), सत्या नडेला (माइक्रोसॉफ्ट), और शांतनु नारायण (एडोबी) जैसे कई अन्य भारतीय मूल के प्रोफेशनल्स शीर्ष पदों पर हैं।

एचएसबीसी ने हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि पाम को सीएफओ नियुक्त करने का फैसला हुआ है, और वर्तमान में इस पद को अस्थायी तौर पर संभाल रहे जॉन बिंघम उनका स्थान छोड़ने वाले है। पाम कौर की सैलरी और भत्तों के रूप में सालाना करीब 21 करोड़ रुपये मिलेंगे, इसके साथ ही उन्हें बोनस भी मिलेगा, जिसकी राशि काफी अधिक है। पाम कौर की नियुक्ति एचएसबीसी के हालिया बड़े प्रशासनिक बदलावों का हिस्सा है। जुलाई 2024 में कंपनी के पूर्व सीएफओ, जॉर्ज एल्हेदेरी को एचएसबीसी ग्रुप का सीईओ नियुक्त किया गया था। इसके साथ ही, कंपनी ने अपने बिजनेस के ढांचे में भी अहम बदलाव किए हैं, इसमें इंग्लैंड और हांगकांग को छोड़कर अन्य देशों के कमर्शियल बैंकिंग ऑपरेशन्स को ग्लोबल बैंकिंग और मार्केट बिजनेस के साथ एकीकृत करना शामिल है। इन बदलावों के मद्देनजर, पाम कौर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि उन्हें वित्तीय संरचना और रणनीतियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी मिलेगी।

पाम कौर का वित्तीय सेवा क्षेत्र में अनुभव करीब 40 साल का है। उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी से बी.कॉम ऑनर्स और एमबीए की डिग्री प्राप्त की है। अपने करियर की शुरुआत चार्टर्ड एकाउंटेंट के रूप में करने के बाद, उन्होंने सिटीबैंक के इंटरनल ऑडिट विभाग में अपनी सेवाएं दीं। वहां उन्होंने करीब 15 साल तक विभिन्न भूमिकाओं में काम किया। इसके बाद, उन्होंने लॉयड बैंकिंग ग्रुप में कंप्लायंस और एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग विभाग की ग्रुप चीफ के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड (आरबीएस) में भी पाम कौर ने 4 साल तक सीएफओ और सीओओ (रिस्ट्रक्चरिंग एंड रिस्क डिवीजन) के पद पर कार्य किया।

2013 में एचएसबीसी से जुड़ने के बाद, पाम कौर ने कंपनी के ऑडिट डिपार्टमेंट की प्रमुख के रूप में शुरुआत की थी। एचएसबीसी में पिछले 11 वर्षों के दौरान, उन्होंने तीन बार प्रमोशन प्राप्त किया, और अंततः कंपनी की ग्रुप चीफ रिस्क एंड कंप्लायंस ऑफिसर बनीं। इस पद पर रहते हुए, उन्होंने कंपनी के जोखिम प्रबंधन और अनुपालन की देखरेख की, जिससे एचएसबीसी की स्थिरता और विश्वसनीयता को और मजबूती मिली।

तानाशाह किम जोंग-उन बढ़ाएंगे परमाणु क्षमता

अमेरिका से बढ़ते खतरे को देखते हुए उत्तर कोरिया बढ़ाएगा हथियारों का जखीरा

सियोल (ईएमएस)। उत्तर कोरिया ने अमेरिका की ओर से बढ़ते परमाणु खतरों का जिक्र करते हुए अपनी परमाणु क्षमता बढ़ाने का संकल्प दोहराया है। तानाशाह किम जोंग-उन ने देश की परमाणु क्षमता और युद्ध प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने की बात कही है। यह जानकारी उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने बुधवार को दी। राज्य मीडिया ने बताया कि रणनीतिक मिसाइल ठिकानों के निरीक्षण के दौरान किम जोंग-उन ने यह टिप्पणी की। इस रिपोर्ट में निरीक्षण का स्थान या तारीख नहीं बताई गई है। इस संदेश के मुताबिक, जैसा कि हाल ही में कई अवसरों पर जोर दिया गया है, अमेरिकी सामरिक परमाणु हथियार डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम) की सुरक्षा के लिए लगातार खतरे पैदा कर रहे हैं। इन गंभीर खतरों को देखते हुए तत्काल आवश्यकता है कि डीपीआरके अपनी युद्ध प्रतिरोधक क्षमता को और अधिक मजबूत करे तथा परमाणु शक्तियों के प्रति गहन और सख्त प्रतिक्रियात्मक रुख अपनाए। निरीक्षण के दौरान किम ने मिसाइल ठिकानों के प्रक्षेपण सुविधाओं का जायजा लेने के साथ सामरिक मिसाइल इकाइयों के परिचालन की तत्परता को भी परखा।

मिसाइल ठिकानों को और अधिक आधुनिक बनाने पर जोर

रिपोर्ट में कहा गया है कि किम ने मिसाइल ठिकानों को और अधिक आधुनिक बनाने तथा सुदृढ़ करने के महत्व पर भी जोर दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी सुविधाएं मजबूत जवाबी कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार हों। हाल ही में उसकी ओर से ऐसी कई कोशिशें हुई हैं जो तनाव की स्थिति पैदा करती हैं। जैसे उसने अपनी यूरेनियम संवर्धन सुविधा का खुलासा किया, फिर बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रक्षेपण किया और पिछले कुछ महीनों से सीमा पार (दक्षिण कोरिया) कचरा ले जाने वाले गुब्बारे भेज रहा है। उत्तर कोरिया ने आगामी अमेरिकी चुनाव से ठीक दो सप्ताह पहले इस तरह का बयान देकर अपना आक्रामक रवैया जाहिर कर दिया है।

बेरोजगारी और महंगाई बन गई इसकी पहचान

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा में विदेश से आने वाले लोगों की एक बड़ी संख्या है। इसमें भारतीयों के लिए कनाडा एक सपनों का देश रहा है। इसकारण हर साल लाखों की संख्या में भारतीय कनाडा जाते हैं। कनाडा के लिए माना जाता है कि यहां एक बार पहुंच जाएं तब आसानी से काम मिल जाता है। लेकिन इस बात में पूरी तरह सच्चाई नहीं है। कनाडा भी बेरोजगारी और महंगाई के संकट से जूझ रहा है।

कनाडा में रहने वाले एक शख्स ने वैंकूवर से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में सड़कों पर गंदगी दिख रही है और लोग सड़क किनारे बैठे दिख रहे हैं। इस वीडियो में शख्स बात रहे हैं कि जब वे कनाडा आए तब चीजें अच्छी थीं लेकिन बीते कुछ सालों में हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। आज कनाडा में बेरोजगारी और महंगाई ने हालात बिगाड़ दिए हैं।

कनाडा में कैसे बदल रहे हैं हालात

कनाडा काफी समय से भारतीयों का पसंदीदा स्थान रहा है। इसकी वजह छात्र वीजा से वर्क परमिट, स्थायी निवास और फिर नागरिकता मिल जाना भी रहा है। ये सभी चीजें कनाडा को एक सपनों का देश बनाती थीं, जहां जाकर अच्छा जीवन जिया जा सके। इसके बाद बड़ी तादाद में भारतीय युवा बीते वर्षों में कनाडा गए हैं लेकिन कनाडा फिलहाल घरों की कमी, नौकरियों की कमी और बढ़ते अपराध की वजह से एक बुरा देश बनाता जा रहा हैं। कनाडा में सबसे बड़ी परेशानी जो लोगों के सामने आ रही है, वह नौकरियों का संकट है। फिलहाल कनाडा में काम पाने के लिए लोगों को काफी ज्यादा संघर्ष करना पड़ रहा है।

कनाडा में बढ़ती बेरोजगारी और घरों के संकट पर बीते महीनों में काफी ज्यादा बहस हुई है। हाला ही में कनाडा के ब्रैम्पटन से वेटर की जॉब के लिए लगी का वीडियो सामने आया था, इसमें दिखा रहा था कि कैसे वेटर बनने के लिए हजारों की संख्या में छात्र पहुंचे हैं, जिनमें ज्यादातर भारतीय हैं। कनाडा में इस तरह कई मामले लगातार सामने आ गए हैं। जो दिखाते हैं कि छोटी नौकरियों के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। इसमें भारतीयों को खासतौर से चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

जीजेसी 'एक राष्ट्र एक स्वर्ण दर' लागू करने की दिशा में कर रही काम

- खुदरा विक्रेताओं को मनाने का ?किया जा रहा है प्रयास

नई दिल्ली (ईएमएस)। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) ने घोषणा की कि वह 'एक राष्ट्र एक स्वर्ण दर' को लागू करने की दिशा में काम कर रही है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य देश में सोने की कीमतों को मानकीकृत करना है, क्योंकि वर्तमान में ये कीमतें विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न हैं। जीजेसी के एक अ?धिकारी ने कहा ?कि हम एक ही दर पर सोना आयात करते हैं, लेकिन घरेलू खुदरा कीमतें एक शहर से दूसरे शहर में अलग होती हैं। हम चाहते हैं कि पूरे देश में एक समान दर लागू हो। यह बयान उन्होंने 22 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक चलने वाले वार्षिक स्वर्ण महोत्सव 'लकी लक्ष्मी' के लॉन्च के मौके पर दिया। जीजेसी ने अपने सदस्यों के साथ पहले ही 50 से अधिक बैठकें आयोजित की हैं और इस पहल के लिए 8,000 सुनारों को एक साथ लाने में सफलता हासिल की है। इसके अलावा परिषद ने इस मुद्दे पर सरकार को सुझाव भी दिए हैं और उद्योग के हितधारकों को समझाने की कोशिशें जारी हैं।

इस दिवाली गहनों की खरीदारी में कमी आने का अनुमान

- दिवाली के त्योहार से पहले ही सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस साल दिवाली पर गहनों की खरीदारी को लेकर बाजार विशेषज्ञों का अनुमान है कि मांग में 10 से 12 फीसदी की कमी आएगी। धनतेरस के अवसर पर सोने और चांदी की बिक्री में गिरावट की संभावना को देखते हुए थोक और खुदरा विक्रेताओं ने भी इसी प्रकार की चिंताओं का इज़हार किया है। विश्लेषकों का कहना है कि, भले ही सीमा शुल्क कम हुआ है, लेकिन दिवाली के त्योहार से पहले सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुँच गई हैं। वर्तमान में दिल्ली सराफा बाजार में सोने की कीमत लगभग 80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जबकि चांदी की कीमत एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर गई है। इतनी ऊंची कीमतों पर गहनों की खरीदारी करना ग्राहकों के लिए आसान नहीं होगा। सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी, सुवनकर सेन ने कहा, इस साल पिछले धनतेरस के मुकाबले मात्रा के लिहाज से बिक्री में 10-12 प्रतिशत की गिरावट की उम्मीद है। हालाँकि, मूल्य के आधार पर बिक्री में 12-15 प्रतिशत की वृद्धि संभव है। इस बार वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते सोने की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। बाजार के ?विश्लेषकों का कहना है ?कि बढ़ती कीमतों के कारण उपभोक्ताओं की रुचि कम हो गई है। हालांकि, निवेशक समय के साथ ऊँची कीमतों के आदी हो जाते हैं और भविष्य में मांग फिर से बढ़ सकती है। उद्योग पिछले साल के स्तर पर पहुँचने की उम्मीद कर रहा है। वहीं बताया जा रहा है ?कि दूसरी तिमाही के दौरान ग्राहकों की अच्छी संख्या को देखते हुए हम त्योहारों के दौरान बिक्री के लिए आशान्वित हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने भी यह उल्लेख किया कि हालाँकि कीमतें उच्चतम स्तर पर पहुँच गई हैं, लेकिन त्योहारों के कारण सोने की खरीदारी में उछाल आने के संकेत मिल रहे हैं। इस प्रकार इस दिवाली गहनों की बिक्री में गिरावट की उम्मीद के बावजूद, कुछ विक्रेता त्योहारों के दौरान सकारात्मक प्रतिक्रिया की आशा कर रहे हैं।

किम जोंग ने रूस भेजे सैनिक, इसके सबूतः अमेरिका

दक्षिण कोरिया के दावों की पुष्टि

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने कहा कि तानाशाह किम जोंग-उन ने रूस की मदद के लिए सैनिक भेजे हैं। उत्तर कोरिया इससे इंकार नहीं कर सकता, क्योंकि अमेरिका के पास इस बात के पक्के सबूत हैं और जरूरत पड़ने पर वह इसे दुनिया के सामने रख सकता है। गौरतलब है कि दक्षिण कोरिया के जासूसों ने दावा किया गया था कि उत्तर कोरिया रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद के लिए तीन हजार सैनिक भेजे हैं। अब अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन की तरफ से इस बात की पुष्टि की गई है। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि इस बात के सबूत हैं कि उत्तर कोरिया ने सोमवार को रूस में सेना भेजी है और दक्षिण कोरिया के जासूस प्रमुख ने सांसदों को बताया कि यूक्रेन में युद्ध के मैदानों में तैनात किए जाने से पहले 3,000 उत्तर कोरियाई सैनिक देश में ड्रोन और अन्य उपकरणों पर प्रशिक्षण हासिल कर रहे हैं। वाशिंगटन पोस्ट की तरफ से पोस्ट किए गए एक वीडियो के अनुसार अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, वे वास्तव में क्या कर रहे हैं? यह देखना बाकी है। ये ऐसी चीजें हैं जिन्हें हमें सुलझाने की जरूरत है। अगर सेना रूस की तरफ से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में शामिल होती है, तो यह बहुत गंभीर मुद्दा होगा। इसका यूरोप और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में प्रभाव पड़ेगा।

रूस और उत्तर कोरिया ने किया इनकार

अमेरिका और नाटो ने पहले उत्तर कोरिया की तरफ से सेना भेजे जाने की औपचारिक पुष्टि नहीं की थी, लेकिन रूस और उत्तर कोरिया ने अब तक सेना की आवाजाही से इनकार किया है। दक्षिण कोरियाई खुफिया ने सबसे पहले बताया था कि रूसी नौसेना ने पिछले सप्ताह 1,500 उत्तर कोरियाई विशेष युद्ध सैनिकों को रूस ले जाया गया था, जबकि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि उनकी सरकार के पास खुफिया जानकारी है कि 10,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूसी सेना में शामिल होने के लिए तैयार किया जा रहा है।

अरे ये क्या.... .अभी शेख हसीना बांग्लादेश की पीएम, राष्ट्रपति के बयान से मच गया बवाल

सड़कों पर उतरे छात्र अब राष्ट्रपति से इस्तीफें की कर रहे मांग

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सामने संकट पैदा हो गया है। शेख हसीना की सरकार को हटाने वाले विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले छात्र फिर सड़कों पर उतर आए हैं। छात्र प्रदर्शनकारी हसीना के इस्तीफे के मामले को लेकर राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को हटाने की मांग कर रहे हैं। दरअसल, राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने हसीना के इस्तीफे को लेकर जो खुलासा किया है, उस खुलासे ने बांग्लादेश में संवैधानिक संकट खड़ा कर दिया है। राष्ट्रपति के अनुसार यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार अंसवैधानिक है।

पिछले सप्ताह एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा कि उनके पास इस बात का कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है कि अगस्त में विरोध प्रदर्शन के दौरान देश छोड़कर भागने से पहले हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। बांग्लादेशी राष्ट्रपति ने कहा कि बहुत कोशिशों के बावजूद उन्हें कोई दस्तावेज नहीं मिला है। शहाबुद्दीन ने कहा, शायद उनके (हसीना) पास समय नहीं था।

राष्ट्रपति के बयान के बाद अब बांग्लादेश में इसपर चर्चा तेज हो गई है कि क्या शेख हसीना अभी भी देश की प्रधानमंत्री हैं। ऐसा ही दावा हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने अगस्त में किया था। सजीब ने कहा था कि उनकी मां ने इस्तीफा नहीं दिया है और वह अभी भी देश की पीएम हैं। अगर राष्ट्रपति का बयान सच है, तब उनके इस बयान ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की संवैधानिकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वहीं राष्ट्रपति की टिप्पणी सामने आने के बाद बांग्लादेश में शेख हसीना विरोधी गुट भड़क उठा है। हसीना के खिलाफ आंदोलन करने वाले छात्रों के समूह ने केंद्रीय शहीद मीनार के सामने रैली करके राष्ट्रपति शहाबुद्दीन के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एक नेता ने राष्ट्रपति को फासीवाद का सहयोगी बताया। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति नरसंहार के पक्ष में थे। हम उनके इस्तीफे की मांग करते हैं।

छह साल पहले कारोबार बंद कर गई अमेरिका की दिग्गज कंपनी फिर लौटी भारत

-भारत का बाजार तेजी से हो रहा विकसित, मौके का फायदा उठाना चाहती है कंपनी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार में अपना भविष्य देखते हुए विदेश से भी कंपनियां भारत आ रही हैं। कुछ कंपनियां ऐसी भी हैं, जो पहले यहां से अपना कारोबार बंद कर चुकी थीं और अब फिर बाजार में शामिल होना चाहती हैं। होमकेयर सॉल्यूशंस प्रोवाइड अमेरिका की दिग्गज कंपनी बिससेल है। यह कंपनी छह साल पहले भारत में अपना कारोबार बंद कर चुकी थी, लेकिन अब फिर इसकी एंट्री हो रही है।

कंपनी का कहना है कि भारत का बाजार तेजी से विकसित हो रहा है और वह मौके का फायदा उठाना चाहती है। ये कंपनी अमेरिका, यूरोप, चीन, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका में स्थित है। 150 साल पुरानी इस कंपनी ने भारत में वैक्यूम क्लीन बेचने के लिए डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी केविटक ग्लोबल कार्मस के साथ डील की है।

छह साल पहले जब कंपनी भारत में कारोबार कर थी, तब इसने यूरेका फोर्ब्स के साथ पायलट प्रोजेक्ट में शामिल हुई थी, लेकिन मतभेदों के चलते उसने भारत से अपना कारोबार समेट लिया था। अब इस कंपनी ने भारत में पोर्टेबल वेट एंड ड्राई वैक्यूम क्लीनिंग सिस्टम लॉन्च किया है। साथ ही कंपनी की भारत में कॉर्डलेस स्टिक वैक्यूम भी पेश करने की योजना है। इतना ही नहीं कंपनी अगले साल तक क्रोमा, रिलायंस डिजिटल और विजय सेल्स के साथ पार्टनरशिप करके ऑफलाइन स्पेश में उतर सकती है।

कंपनी ने कहा कि अगर उसका कारोबार भारत में बढ़ता है तो वह आगे भारत में मैन्युफैक्चरिंग पर भी विचार करेगी। कंपनी का कहना है कि वह इस बार लंबे समय के लिए भारत आई है। शुरुआत के कुछ साल तक बिजनेस भारत में छोटा रहेगा, लेकिन उसके बाद इसमें तेजी आने की पूरी उम्मीद है, क्योंकि भारत में इस कैटेगरी में तेजी से विस्तार हो रहा है।

मैकडॉनल्ड से बैक्टीरिया संक्रमण फैला

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में मैकडॉनल्ड बर्गर से बैक्टीरिया संक्रमण (ई कोली) फैला है। मैकडॉनल्ड्स के क्वार्टर पाउंडर हैम्बर्गर खाने से एक शख्स की मौत हो गई। 49 लोग बीमार हैं, जिनमें से 10 हॉस्पिटल में एडमिट हैं। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, सितंबर के अंत में शुरू हुआ यह ई कोली वायरस अब तक 10 पश्चिमी राज्यों में फैल चुका हुआ है, जिसमें से ज्यादातर मामले कोलोराडो और नेब्रास्का में सामने आए। बर्गर खाने से बीमार पडऩे की खबर सामने आने के बाद मैकडॉनल्ड ने क्वार्टर पाउंडर हैमबर्गर से कटी प्याज और बीफ पैटीज को हटा दिया है। फिलहाल जांच जारी है। मैकडॉनल्ड्स (अमेरिका) के अध्यक्ष जो एर्लिंगर ने एक वीडियो मैसेज में कहा, हमारी लिए खाद्य पदार्थों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। जिन इलाकों में बर्गर में शिकायत मिली है, वहां के रेस्टोरेंट से क्वार्टर पाउंडर हैम्बर्गर को अस्थायी रूप से हटाने का डिसीजन लिया है। उन्होंने कहा कि अधिकांश राज्य प्रभावित नहीं हैं। कंपनी ने माना कि जिन रेस्टोरेंट में शिकायत मिली है, वहां एक ही कंपनी से प्याज सप्लाई हो रही थी।

जापानी एनीमेशन ने मचाया, दुनिया भर में तहलका, हजारों करोड़ों की कमाई

लाखों लोगों के रोजगार पर संकट

टोक्यो (ईएमएस)। जापान के एनीमेशन निर्माताओं ने सारी दुनिया में तहलका मचा दिया है। जापानी एनीमेशन निर्माताओं द्वारा भारी कमाई की जा रही है। करोड़ों लोग जापानी एनिमेशन के दीवाने हो गए हैं।

कुछ वर्षों पहले तक फिल्मों, सीरियल और कहानियां को एक भाषा से दूसरी भाषा में प्रदर्शित करने के लिए, पूरी दुनिया के करोड़ों लोग रोजगार से जुड़े हुए होते थे। अब समय बदला, तकनीकी बदली। इसके साथ ही रोजगार के संसाधन और तौर तरीके भी बदल गए हैं ।

रिसर्च फॉर्म टैईकोकु डाटा बैंक के अनुसार एनिमे एनीमेशन कंपनी की आधी से ज्यादा कमाई दुनिया भर के अन्य देशों से हो रही है। स्ट्रीमिंग के जरिए एनिमे ने किसी भी भाषा में किसी भी तकनीकी में तैयार फिल्म सीरियल कहानियाँ इत्यादि दुनिया भर की विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्ट्रीमिंग के माध्यम से एनिमे को खोजना और देखना बड़ा आसान कर दिया है। इस प्रोग्राम के तहत अब किसी भी भाषा में डबिंग हो सकती है। किसी भी भाषा में अनुवाद हो जाता है। नेटफ्लिक्स के माध्यम से एनिमे ने पिछले साल 190 देशों में करोडों से ज्यादा हिट हासिल किए हैं। ड्रैगन बॉल और पोकेमॉन करोड़ों लोगों की नई पीढ़ी को जोड़ने का काम किया है। जापान की एनिमेशन इंडस्ट्री ने 2023 में 19350 करोड रुपए कमाए हैं। जापान की एनिमेशन इंडस्ट्री बड़ी तेजी के साथ सारे विश्व के देशों में फैल रही है। इसका दुष्प्रभाव फिल्म,सीरियल, कहानी और अन्य चीजों में देखने को मिल रहा है। अभी तक विभिन्न देशों के लाखों लोग जो काम करते थे। उनके रोजगार पर इसका विपरीत असर पड़ा है।

टैनर फॉक्स और जोस लोपेज़ ने आतंकी मलिक की हत्या करना स्वीकारा

-कनाडा पीएम टूडो के भारत पर लगाए आरोप हुए झूठे साबित

टोरंटो,(ईएमएस)। कनाडा पीएम जस्टिन टूडो खालिस्तान समर्थक रुख के कारण चर्चा में बने हुए हैं, और यह मामला 1985 में हुए एयर इंडिया फ्लाइट में 182 बम धमाके से जुड़ा है। इस हमले में रिपुदमन सिंह मलिक मुख्य आरोपी था, जिसे 2005 में कनाडा की कोर्ट ने बरी कर दिया था। हालांकि 14 जुलाई को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में मलिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद पीएम टूडो ने बिना किसी सबूत के इस हत्या का आरोप भारत पर लगा दिया था, जिससे भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया।

इस मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ जब ब्रिटिश कोलंबिया के न्यू वेस्टमिंस्टर कोर्ट में टैनर फॉक्स और जोस लोपेज़ ने मलिक की हत्या का अपराध स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 31 अक्टूबर को पेश होने का आदेश दिया है। यह खुलासा पीएम टूडो के भारत पर लगाए गए आरोपों को झूठा साबित करता है। मलिक के परिवार ने कहा कि वे आभारी हैं कि हत्यारों को न्याय के कटघरे में लाया जा रहा है। हालांकि, परिवार का मानना है कि हत्या एक साजिश के तहत की गई थी और टैनर फॉक्स और जोस लोपेज़ को हत्या के लिए कॉन्ट्रैक्ट पर रखा गया था। उन्होंने असली साजिशकर्ताओं को पकड़ने की मांग की ताकि न्याय हो सके।

बता दें 1985 में एयर इंडिया की कनिष्क फ्लाइट 182 मॉन्ट्रियल से लंदन होते हुए दिल्ली और मुंबई जा रही थी, दुनिया के सबसे बड़े आतंकी हमलों में से यह घटना एक मानी जाती है। 23 जून 1985 को फ्लाइट को आयरलैंड के हवाई क्षेत्र में 31,000 फीट की ऊंचाई पर बम से उड़ा दिया गया था। इस हमले में विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए थे, जिनमें 268 कनाडाई, 27 ब्रिटिश और 22 भारतीय नागरिक शामिल थे। इस हत्याकांड के खुलासे के बाद टूडो के भारत पर लगाए गए आरोप झूठे साबित हुए, और यह मामला अब कनाडा की न्यायिक प्रक्रिया में आगे बढ़ेगा। इस खुलासे से भारत और कनाडा के बीच बढ़ते तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है।

फसल नुकसान को लेकर राज्य सरकार ने 1419.62 करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान किया

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात सरकार ने इस वर्ष भारी बारिश से कृषि फसलों को हुए भारी नुकसान को देखते हुए किसानों के लिए रु. 1419.62 करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान किया हैं आज हुई कैबिनेट बैठक में यह अहम फैसला लिया गया हैं जिसमें सरकार ने फसल नुकसान के लिए किसानों को सहायता की घोषणा की हैं बता दें कि इस वर्ष भारी बारिश और बाढ़ के कारण राज्य के ज्यादातर जिले प्रभावित हुए थे राज्य के कई जिलों में कृषि फसलों को भी भारी नुकसान हुआ थ आज कैबिनेट बैठक में भारी बारिश से फसल नुकसान और रासायनिक खाद की कमी पर चर्चा हुई इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से किसानों को राहत देने के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की गई हैं इस पैकेज के जरिए सरकार ने किसानों को कुल 1419.62 करोड़ रुपये की मदद देने का फैसला किया हैं राज्य सरकार ने नुकसान की भयावहता को देखते हुए एसडीआरएफ के अलावा अपने कोष से राज्य बजट से अतिरिक्त राशि का भुगतान करने का निर्णय लिया है। इस अगस्त पैकेज में पंचमहल, नवसारी, सुरेंद्रनगर, देवभूमि द्वारका, खेड़ा, आनंद, वडोदरा, मोरबी, जामनगर, कच्छ, तापी, दाहोद, राजकोट, डांग, अहमदाबाद, भरूच, जूनागढ़, सूरत, पाटन और छोटा उदेपुर समेत 20 जिलों की 136 तहसीलों के कुल 6812 गांव शामिल हैं इस पैकेज के माध्यम से राज्य के 7 लाख से अधिक किसान राहत पैकेज के अंतर्गत शामिल हैं। इस राहत पैकेज के कुल 1419.62 करोड़ रुपये में से 1097.31 करोड़ रुपये एसडीआरएफ के तहत प्रदान किए जाएंगे और 32 करोड़ रुपये राज्य के बजट से सहायता के रूप में भुगतान किए जाएंगे। इस बारे में कृषि मंत्री राघवजी पटेल ने कहा कि यह सहायता अगस्त महीने के लिए हैं जिन इलाकों में भारी बारिश हुई है, वहां तत्काल सहायता पहुंचाने का फैसला मुख्यमंत्री लेंगें रिपोर्ट आने के बाद किसानों की कटान वाली जमीन पर सभी कार्य कराने पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। केंद्रीय टीम के दौरे के दौरान राज्य सरकार ने फसल, भूमि कटाव, सड़क समेत अन्य नुकसान के मुआवजे के लिए केंद्र सरकार को 9000 करोड़ का ज्ञापन दिया गया हैं

सूरत में स्कूल वैन पलटी, घायल छात्रों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया

सूरतः सूरत में एक स्कूल वैन हादसे का शिकार हो गई. दूसरे कार चालक की लापरवाही से स्कूल वैन पलट गई, जिससे उसमें बैठे विद्यार्थियों को मामूली चोटें आईं। बच्चों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्कूल वैन पलटने की सूचना मिलते ही छात्रों के अभिभावकों की जान सांसत में आ गई।

स्कूल वैन पलटने से छात्र घायल

जानकारी के मुताबिक, शहर के दाभोली इलाके में एलपी सवाणी रोड पर वत्सले स्कूल के 7 छात्रों से भरी वैन पलट गई. एक अन्य कार ने स्कूल वैन को टक्कर मार दी, जिससे स्कूल वैन के चालक ने स्टीयरिंग व्हील से नियंत्रण खो दिया, जिससे वैन पलट गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिन्होंने बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला. बाद में घायल बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया.

अभिभावक की जान बचायें

पूरी घटना पर हंगामा मच गया. हालांकि, इस घटना में कोई बड़ी हताहत नहीं हुई, घटना की सूचना मिलते ही घायल माता-पिता अस्पताल पहुंचे. सिंगणपोर पुलिस ने पूरे मामले में आगे की जांच की है.

राजमहल रोड पर मरीमाता खांचा में नगरपालिका तंत्र द्वारा दुकानों-मकानों का सर्वेक्षण शुरू होने से उत्साह

वडोदरा : एक समय राजमहल रोड पर मरी माता खांचा का नाम शायद ही कोई लेता था. लेकिन मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक बाजार में तेजी आई है. नतीजा यह हुआ कि कई दुकानदारों समेत स्थानीय लोगों ने अवैध निर्माण कर कारोबार शुरू कर दिया। इसलिए नगरपालिका तंत्र ने मरीमाता की खाई में माप शुरू कर दी है। हालांकि, बार-बार यातायात बाधित होने से नगर निगम व्यवस्था हरकत में आ गई है, क्योंकि लोगों को आवाजाही में काफी दिक्कत हो रही है.

गौरतलब है कि राजमहल रोड पर वेराई माता और मरीमाता के आसपास इलेक्ट्रॉनिक बाजार में काफी हलचल रहती है. चूंकि ग्राहकों और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की भारी भीड़ थी, इसलिए मेरी माँ के आले में ग्राहक आने लगे। नतीजा यह हुआ कि कुछ दुकानदारों सहित स्थानीय निवासियों ने भी टॉयलेट-बाथरूम जैसी संरचनाओं को तोड़कर और अवैध दुकानें बनाकर व्यापारियों को किराए पर देकर कमाई शुरू कर दी। इसके अलावा, स्थानीय निवासियों ने बार-बार शिकायत की है कि कुछ अन्य दुकानदारों ने भी कुछ अवैध शेड सहित अन्य संरचनाएं बनाई हैं। कल शाम हुए भारी बवाल के बाद नगर पालिका का बुलडोजर लेकर सिस्टम मरीमाता खाई तक पहुंच गया। उधर, जब इसकी जानकारी स्थानीय निवासियों को हुई तो खाई में भीड़ जमा हो गई। अवैध निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों ने वहां आये नगर निगम के अधिकारियों से कड़ा विरोध जताया. हालांकि नगर निगम प्रवर्तन शाखा के कर्मियों ने एक-दो दुकानों के ऊपर बने अवैध शेड को ध्वस्त कर दिया, लेकिन अन्य अवैध निर्माणों को भी ध्वस्त करने की कार्रवाई की गयी.

इसलिए नगरपालिका तंत्र ने आज सुबह से मरीमाता खांचा में स्थानीय निवासियों की दुकानों और सड़कों का निर्माण शुरू कर दिया है. उधर, दिवाली-नए साल के त्योहार पर दुकानदार नगर पालिका की कार्यप्रणाली से नाराज हैं।

सरकारी कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर, दिवाली के बाद खाली दिन भी रहेगी छुट्टी

गांधीनगर (ईएमएस) राज्य के सरकारी कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर सामने आई हैं राज्य सरकार की ओर से कर्मचारियों के लिए दिवाली अवकाश की घोषणा की गई हैं जिसमें दिवाली के बाद खाली दिन भी छुट्टी का ऐलान किया गया हैं सरकार की ओर से दिवाली, खाली दिन, नूतन वर्ष और भैया दूज की समेत कुल चार लगातार छुट्टियों की घोषणा की गई है। सरकार की इस घोषणा से कर्मचारियों में खुशी का माहौल हैं सरकार की ओर से जारी प्रकाशित परिपत्र के अनुसार दिवाली के लिए गुरुवार 31 अक्टूबर 2024 को, नए साल के लिए शनिवार 2 नवंबर 2024 को और भैया दूज के लिए रविवार 3 नवंबर 2024 को सार्वजनिक अवकाश हैं दिवाली के बाद 1 नवंबर 2024 को खाली दिन भी कर्मचारियों की छुट्टी रहेगी ताकि सरकारी अधिकारी और कर्मचारी दिवाली त्योहारों को पूरा आनंद ले सकें। 1 नवंबर 2024 के बजाए 9 नवंबर 2024 को सभी कार्यालय दूसरे शनिवार को भी जारी रहेंगे।

ऊर्जावान गुजरात के लिए ऊर्जा कर्मचारियों की कार्य कुशलता की ऊर्जा का महत्वपूर्ण योगदानः मुख्यमंत्री

- भूपेंद्र पटेल ने ऊर्जा विभाग की विभिन्न कंपनियों के नवनियुक्त कनिष्ठ अभियंताओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के ऊर्जा विभाग की चार विद्युत वितरण कंपनियों में नई नियुक्ति प्राप्त करने वाले 394 कनिष्ठ अभियंताओं (जूनियर इंजीनियर्स) को बुधवार को ऊर्जा मंत्री कनुभाई देसाई की प्रेरक उपस्थिति में नियुक्ति पत्र प्रदान किए। भूपेन्द्र पटेल ने इस अवसर पर अपेक्षा व्यक्त की कि राज्य की ऊर्जा टीम में नई नियुक्ति प्राप्त कर रहे इन युवा अभियंताओं की कार्य कुशलता से ऊर्जा क्षेत्र और दीप्तिमान हो उठेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पारदर्शिता से भर्ती के लिए एक सिस्टम खड़ा किया है, जिसके फलस्वरूप छोटे से छोटे, सुदूरवर्ती, योग्यता प्राप्त व्यक्ति को सरलता से सरकारी सेवा में जुड़ने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि समाज के ऊर्जा सेक्टर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में विजनरी नेतृत्व कैसा बदलाव ला सकता है, इसका उदाहरण नरेन्द्र मोदी ने ज्योतिग्राम योजना, सोलर पार्क, सोलर रूफटॉप, किसान सूर्योदय, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली जैसी योजनाओं के क्रियान्वयन से प्रस्तुत किया है। भूपेंद्र पटेल ने नवनियुक्त युवा अभियंताओं को प्रेरणा देते हुए जोड़ा, ''लोगों की बुनियादी जरूरत बिजली-ऊर्जा से जुड़ कर जन सेवा का जो अवसर आपको मिला है, उस अवसर का अपनी विद्युत कंपनी की कार्यदक्षता का दायरा बढ़ाकर और विस्तार करना।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा कर्मचारी राष्ट्र हित व राज्य हित को हृदय में रखकर कार्यरत रहने के साथ चक्रवात, वर्षा, बाढ़ जैसी मुश्किल परिस्थितियों में जान जोखिम में डालकर लोगों के घर में उजाला फैलाने के लिए निरंतर तत्परता से सेवारत रहते हैं। मुख्यमंत्री ने इसके लिए समग्र ऊर्जा टीम को अभिनंदन दिया। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि ऐसी टीम की कार्य कुशल ऊर्जा तथा जन सेवा प्रतिबद्धता से ही गुजरात ऊर्जावान बना है। उन्होंने नवनियुक्त युवा अभियंताओं को शुभकामनाएँ देते हुए आह्वान किया कि हम सभी को साथ मिलकर कर्तव्यरत रहकर वर्ष 2047 के विकसित भारत के लिए विकसित ऊर्जावान गुजरात का निर्माण करना है।

इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से पीजीवीसीएल के नवनिर्मित सब-डिवीजन ऑफिस, राजकोट में जेटको के वाजडी ट्रेनिंग सेंटर, एसएलडीसी की नई रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट बिल्डिंग तथा जेटको के 7 नए विद्युत सब-स्टेशनों का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने ई-सीजीआरएफ पोर्टल, जीयूवीएनएल के 'ऊर्जा संवाद' सामयिक तथा बुकलेट को लॉन्च भी किया।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री कनुभाई देसाई ने गुजरात के कर्मनिष्ठ बिजली कर्मचारियों के कामकाज की सराहना करते हुए कहा कि आज 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति से गुजरात वेगवान व ऊर्जावान बना है। बिजली कर्मचारियों ने चक्रवात, भारी वर्षा जैसी आपात स्थिति के बीच भी नागरिकों को विद्युत आपूर्ति प्रदान करने के लिए निरंतर तत्परता के साथ काम करके ठप पड़ी विद्युत आपूर्ति को केवल 24 से 36 घण्टे में बहाल किया। देसाई ने नवनियुक्त युवाओं को अभिनंदन देते हुए कहा कि उन्हें देश की उत्तम सेवा करने का अवसर मिला है। गुजरात की चार विद्युत वितरण कंपनियों को उम्दा कार्य पद्धति के लिए ए प्लस ग्रेड प्राप्त हुआ है। ऊर्जा मंत्री ने अपेक्षा व्यक्त की कि नई नियुक्ति पाने वाले सभी कर्मचारी इसी प्रकार उम्दा कामकाज कर इस ए प्लस ग्रेड को बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी दिवसों में अतिवृष्टि जैसी किसी भी आपात स्थिति में बिजली की गुणवत्ता बढ़ाने तथा उसके जोखिम को कम करने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पेटल ने समुद्र तट से 50 से 60 किलोमटर तक की तमाम केबलिंग लाइन को अंडर ग्राउंड करने की प्रेरणा दी है। ऊर्जा विभाग इस दिशा में आगे बढ़ेगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राज्य के किसानों को दिन में भी बिजली देने के मुख्यमंत्री के संकल्प को साकार करने की दिशा में बहुत तेजी से कार्य हो रहा है। 90 प्रतिशत गाँवों में कार्य पूरा हो गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि शेष गाँवों में यह कार्य दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

मुख्य सचिव राज कुमार ने नवनियुक्त कनिष्ठ अभियंताओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज के युग में बिजली नागरिकों की प्राथमिक जरूरत है। यह सभी बिजली कर्मचारियों को सुनिश्चित करना है कि राज्य के प्रत्येक नागरिक तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलती रहे। उन्होंने जोड़ा कि हाल ही में गुजरात यात्रा पर आए 16वें वित्त आयोग ने भी राज्य के विद्युत क्षेत्र की सराहना की थी। उन्होंने कहा कि भविष्य में ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करने के लिए नवयुवाओं का रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की दिशा में काम करना अनिवार्य है।

वडोदरा में गेंदा सर्कल 1 से गुजरने के बाद दोपहिया वाहन चालक और एक ट्रैफिक कांस्टेबल के बीच झड़प हो गई

वडोदराः गंडा सर्कल क्षेत्र में यातायात को नियंत्रित करने के लिए तैनात एक ट्रैफिक कांस्टेबल ने एक दोपहिया वाहन चालक को किसी कारण से रोका, जो यातायात से भरा हुआ है और पूर्व-पश्चिम क्षेत्र को जोड़ता है। परिणामस्वरूप, दोनों के बीच शुरुआती लड़ाई के बाद, स्थिति को दोनों के बीच हाथापाई तक बढ़ता देख अन्य ड्राइवरों ने अपने वाहन रोक दिए। अन्य लोगों के भी एकत्र हो जाने से यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया।

दिवाली-नए साल के जश्न में अब कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में शहर के विभिन्न बाजारों में अपना काम और खरीदारी करने के इरादे से ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है, जबकि ट्रैफिक के कारण अक्सर विभिन्न सड़कों पर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। शहर की कोई भी सड़क भारी यातायात से अछूती नहीं है। इसी बीच शहर के पूर्व-पश्चिम इलाके को जोड़ने वाले और लगातार ट्रैफिक से गुलजार रहने वाले गेंडा सर्कल इलाके में एक ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल डयूटी पर मौजूद था. तभी किसी कारणवश दुपहिया वाहन चालक को ट्रैफिक ने रोक दिया। इसी बीच ड्राइवर ने ट्रैफिक में जाने के लिए जरूरी कागजात मांगे, जिसे लेकर दोनों के बीच मारपीट और हंगामा शुरू हो गया. आग की लपटें देख भीषण विवाद से स्थिति जटिल हो गई, उधर से गुजर रहे वाहन चालक भी तमाशा देखने के लिए अपने वाहन संभालने लगे। वहीं राहगीर भी यह नजारा देखने के लिए रुक गए। तीखी नोकझोंक के बाद ट्रैफिक सिपाही और बाइक चालक के बीच हाथापाई हो गई, जिससे मामला बिगड़ गया। लेकिन कुछ लोगों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया.

सब्जियों की कीमतें आसमान छूने से गृहणियों का घरेलू बजट आसमान परः टमाटर, प्याज, आलू की कीमतों में भारी वृद्धि

सब्जियों की कीमत में बढ़ोतरीः दिवाली-नए साल के जश्न के शुरुआती दिनों में सब्जियों की कीमतें आसमान छूने से गृहणियों का घरेलू बजट गड़बड़ा गया है। ऐसे दिनों में सब्जियों की कीमतें आमतौर पर बहुत कम होती हैं लेकिन भारी बारिश और कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं की कमी के कारण आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस मौसम में आमतौर पर 20 से 25 रुपये किलो मिलने वाला और ज्यादातर सभी सब्जियों में इस्तेमाल होने वाला टमाटर इस समय खुदरा बाजार में 120 रुपये किलो बिक रहा है.

गौरतलब है कि दिवाली-नए साल के त्योहारों से पहले सब्जियों के दाम अपेक्षाकृत कम हैं. लेकिन सब्जियों के भंडारण की समस्या का वैसे भी कोई समाधान नहीं है, जैसे मानसून सीजन में डेढ़ गुना बारिश और मौसम मुख्य कारण हैं. इसी तरह सप्लाई की समस्या भी जिम्मेदार है. मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण अक्सर सब्जियाँ जल्दी खराब हो जाती हैं। परिणामस्वरूप, व्यापारियों के लिए इसे त्यागने का समय आ गया है। इसी तरह सब्जियों के सामने भी कोल्ड स्टोरेज की समस्या आ रही है. ऐसी कई समस्याएं सब्जियों के दाम बढ़ने के लिए जिम्मेदार हैं.

वर्तमान में आलू की कीमत जहां अमूमन 25 से 30 रुपये प्रति किलो है, वहीं प्याज की कीमत 20 रुपये की जगह 100 रुपये तक पहुंच गयी है. इसी तरह तमाम सब्जियों में इस्तेमाल होने वाला टमाटर खुदरा बाजार में 120 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है. इसके अलावा सप्लाई चेन का भी सब्जियों के दाम पर काफी असर पड़ता है. वहीं सीजन में जैसे-जैसे सब्जियों की पैदावार बढ़ती है, कीमतें बेहद निचले स्तर पर आ जाती हैं। परिणामस्वरूप, खरीदार नहीं होने के कारण व्यापारी अक्सर सब्जियां फेंक देते हैं। हालाँकि सब्जियों का भंडारण बिल्कुल भी संभव नहीं है। जिसके चलते सब्जियों की कीमतों पर भारी असर पड़ा है. आने वाली दिवाली और नए साल के त्योहार में भी सब्जियों की कीमतों में गिरावट की संभावना नहीं है.

प.रे. के रेल सुरक्षा बल द्वारा यात्रियों के सामान की चोरी का पता लगाने और इसे रोकने के लिए विशेष प्रयास

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (RPF) को रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्र, यात्रियों और उनसे जुड़े मामलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पश्चिम रेलवे केंड्ढ कर्मी रेलवे और रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रहे हैं। वे जरूरतमंद यात्रियों की मदद भी करते हैं और ऐसी महिलाओं और बच्चों को भी रेस्यू करते हैं, जिन्हें देखभाल और सुरक्षा की जरूरत होती है। इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए, पश्चिम रेलवे केंड्ढ ने यात्री सामान की चोरी (ऊध्ढ्ढँ) का पता लगाने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए विशेष प्रयास किए हैं और स्टेशनों पर और ट्रेनों के अंदर महिला सुरक्षा की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आरपीएफ ने यात्रियों को उनके खोए हुए सामान को खोजने में मदद करने, यात्रियों की जान बचाने, दलालों, बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करने, अपराधियों को सलाखों के पीछे डालने आदि के लिए जनवरी से सितंबर 2024 तक कई विशेष पहल, अभियान और ऑपरेशन किए हैं। सितंबर 2024 तक, आरपीएफ और जीआरपी द्वारा यात्री सामान की चोरी (ऊध्ढ्ढँ) के 6200 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और 1300 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पश्चिम रेलवे आरपीएफ यात्रियों के सामान की चोरी और डकैती के मामलों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम (ड्ढंए) तकनीक का भी उपयोग कर रही है। सितंबर 2024 तक सीसीटीवी और एफआरएस तकनीक के जरिए टीओपीबी के 528 मामलों और डकैती के 7 मामलों का पता लगाया गया है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए पश्चिम रेलवे आरपीएफ ने यात्रियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए कई शॉर्ट वीडियो लॉन्च किए हैं।

''दाना'' चक्रवाती तूफान के कारण पुरी-गांधीधाम एक्सप्रेस ट्रेन रद्द रहेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) पूर्व तट रेलवे में चक्रवात दाना के मद्देनजर यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुरी-गांधीधाम एक्सप्रेस ट्रेन रद्द रहेंगी। इसके अंतर्गत 26 अक्टूबर, 2024 को पुरी से चलने वाली ट्रेन संख्या 22974 पुरी-गांधीधाम एक्सप्रेस ट्रेन रद्द रहेगी। ट्रेनों के समय और ठहराव के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

विकास की चर्चा के बीच मौत की राह भी हुई मुश्किल, जान जोखिम में डालकर नाव से अंतिम संस्कार की यात्रा

तापी में अंतिम संस्कारः सरकार गुजरात की विकास गाथा का गुणगान करने का कोई मौका नहीं छोड़ती. लेकिन गुजरात के विकास का एक और पहलू सुदूर गांव की हालत को भी दर्शाता है. जहां मनुष्य को जीवन की आवश्यकता की छोटी-छोटी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। चाहे वह बनासकांठा का सीमावर्ती इलाका हो या मध्य गुजरात और दक्षिण गुजरात का आदिवासी इलाका।

ये दृश्य गुजरात की विकास गाथा को दर्शाते हैं. बड़े-बड़े शहरों में बड़े-बड़े मॉल से लेकर महानगरों तक सुविधाओं पर करोड़ों-अरबों रुपये खर्च किये जाते हैं। फिर सुदूर इलाकों के लोगों के लिए मौत की राह भी मुश्किल हो जाती है. ऐसा ही एक मामला तापी के किनारे उच्छल तालुक के नाराणपुर गांव से सामने आया है. नाराणपुर गांव में लोग जान जोखिम में डालकर नाव से दाह संस्कार करने को मजबूर हैं.

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, तापी जिले के उच्छल तालुका का नाराणपुर गांव खेवड़ा इलाके में स्थित है। यहां जराली पलिया में श्मशान घाट जाने वाले रास्ते पर उकाई बांध का पानी कम हो गया है. ऐसे में लोगों को जीवन की छोटी-बड़ी जरूरतों यहां तक कि दाह संस्कार की यात्रा तक के लिए परेशानी उठानी पड़ती है। यहां हर साल उकाई बांध का पानी ओवरफ्लो हो जाता है।

बुधवार को यहां अंतिम यात्रा निकाली गई। हर साल उकाई जलाशय का पानी भर जाता है और लोगों को दाह संस्कार यात्रा के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ता है. लेकिन यह कोई नई बात नहीं है बल्कि जराली पलिया में श्मशान घाट के रास्ते में उकाई जलाशय का पानी ओवरफ्लो होने से लोगों को दाह संस्कार के लिए सालों तक परेशानी उठानी पड़ती है। इन दृश्यों को देखकर हर कोई यही सोचता है कि इन लोगों के लिए मौत की राह आसान नहीं है।

लोगों ने बार-बार सिस्टम को सुझाव दिया है कि पुल को उकाई जलाशय के जल स्तर से ऊंचा बनाया जाना चाहिए। लेकिन सरकार हो या सिस्टम इन ग्रामीणों की समस्या से किसी को कोई मतलब नहीं है.

20.88 लाख की शराब भेजने वाली महिला को दो दिन की रिमांड

वडोदरा : पीसीबी पुलिस ने एक महिला को पकड़ा जो स्कॉटलैंड में बनी स्कॉच व्हिस्की की मात्रा ले जा रही थी। वर्सिया पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर मामले की जांच के लिए दो दिन की रिमांड पर लिया है.

पिछले 28 अप्रैल को पीसीबी पुलिस ने हाईवे सिद्धेश्वर हिल चौराहे के बगल में मीनाक्षी कंपाउंड में सी.आर.आई. रोडवेज प्रा. नामित ट्रांसपोर्ट कंपनी में शराब की मात्रा जब्त कर ली गयी. 20.88 लाख रुपये कीमत की स्कॉटलैंड निर्मित रेड लेबल स्कॉच व्हिस्की की 1,044 बोतलें जब्त की गईं। पुलिस ने इस अपराध में सोनल भद्रसिंह ठाकोर (रेस्ट. प्रिंस एंड प्रिंसेस विला, गोत्री सेवासी रोड, नेटिव रेस. दीपक सोसाइटी, न्यू समा रोड) को गिरफ्तार किया. वारसॉ पुलिस ने महिला को अदालत में पेश किया और दो दिन की रिमांड पर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने हरियाणा से शराब सप्लाई कर वडोदरा में शराब की डिलीवरी लेने वाले आरोपी को पकड़ने की कार्रवाई की है.

कलर्स गुजराती ने 'द रसोई शो' के 20 साल पूरे होने का जश्न मनाया

अहमदाबाद, 24 अक्टूबर 2024:स्वाद अने सफलता ना 20 वर्ष नी उजावनी! स्वाद का लुत्फ उठाने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि कलर्स गुजराती गर्व से गुजराती रसोई के प्रिय सदस्य 'द रसोई शो' की 20वीं वर्षगांठ मना रहा है! दो दशकों से, इस प्रसिद्ध प्रोग्राम ने न केवल एक लाख से ज्यादा शाकाहारी व्यंजनों की रेसिपी परोसी हैं, बल्कि यह लोगों के समक्ष ऐसी प्यारी जगह के रूप में भी सामने आया है जहां प्यार और कुलिनरी क्रिएटिविटी पनपती है। यह कोई राज़ की बात नहीं है कि गुजरातियों को खाने से बहुत प्यार है, और 'द रसोई शो' दर्शकों को उनकी रसोई में ही कुलिनरी विशेषज्ञ बनने में सक्षम बनाते हुए इस जुनून को खूबसूरती से दर्शाता है। यह घर के बने स्वादिष्ट खाने का पर्याय बन गया है, जो परिवारों की कई पीढ़ियों को जोड़ता आ रहा है। परिवार की किसी प्यारी विरासत की तरह, यह रसोई में भरोसेमंद साथी रहा है, जिसने नौसिखिए रसोइयों को काबिल बनाया है और सपनों को हकीकत में बदला है। भारत से आगे बढ़ते हुए यूएसए, यूके, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में भी इसे कल्ट स्टेटस दिया गया है, और यह शो दुनिया भर में रहने वाले खाना प्रेमियों को प्रेरित करता रहता है, जिससे यह कई पीढ़ियों के लिए एक प्रिय कुलिनरी साथी बन गया है। यह घर के बने स्वादिष्ट खाने का पर्याय बन गया है, जो परिवारों की कई पीढ़ियों को जोड़ता आ रहा है।

एचडीएफसी बैंक समूह ने एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स 2024 के विजेताओं की घोषणा की

□ एक समूह स्तरीय पहल जिसका उद्देश्य स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ना है

23 अक्टूबर, 2024: एचडीएफसी बैंक ग्रुप ने एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स-2024 के विजेताओं की सूची की घोषणा की है। एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स-2024 एचडीएफसी बैंक समूह की कंपनियों एचडीएफसी एएमसी, एचडीएफसी एर्गो, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, एचडीएफसी लाइफ और एचडीएफसी सिक्योरिटीज की एक संयुक्त पहल है। एचडीएफसी कैपिटल और एचडीएफसी बैंक के नेतृत्व में यह पहल प्रौद्योगिकी से संबंधित स्टार्टअप के लिए नवाचार और अवसरों को बढ़ावा देती है। प्रत्येक समूह कंपनी स्टार्टअप्स को आकार देने के लिए गठबंधन बनाकर उनके साथ काम करने की विरासत को आगे बढ़ाती है। जो दोनों संगठनों के लिए सकारात्मक प्रभाव पैदा करता है।

एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़ने के लिए एचडीएफसी कैपिटल द्वारा बनाए गए प्लेटफॉर्म का लाभ उठाते हैं और व्यवसाय करने के अवसर, वित्तपोषण, निवेश प्रदान करने के लिए प्लेटफॉर्म साझा करते हैं। जो उत्पादों और पेशकशों के सह-निर्माण और एक साथ सीखने की सुविधा प्रदान करता है। पहली बार, यह कार्यक्रम प्रॉपटेक, फिनटेक, सस्टेनेबिलिटी टेक, कंज्यूमर टेक और न्यू एज टेक को कवर करने वाले क्षेत्रों में समूह स्तर पर आयोजित किया गया है।

एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स 2024 को पहली पांच श्रेणियों में 2000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से एचडीएफसी बैंक ग्रुप लीडरशिप वेंचर कैपिटलिस्ट्स, सीनियर इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव्स और यूनिकॉर्न फाउंडर्स की संयुक्त ग्रैंड जूरी ने टॉप-10 विजेताओं की घोषणा की। यह स्क्रीनिंग प्रक्रिया EY द्वारा आयोजित की गई थी।

भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक श्री पी. वासुदेवन मुख्य अतिथि थे। अग्रणी उद्यम पूंजीपति, यूनिकॉर्न संस्थापक, उद्योग जगत के नेता और शिक्षाविद भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में स्टार्ट-अप संस्थापकों की प्रेरक यात्रा और एचडीएफसी बैंक समूह जैसे बड़े संगठन स्टार्ट-अप के साथ कैसे काम करते हैं, इस पर दिलचस्प चर्चा हुई। मुख्य वक्ताओं में पराग राव, कंट्री हेड, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, पेमेंट्स, एचडीएफसी बैंक; एचडीएफसी एएमसी के एमडी और सीईओ नवनीत मुनोत; धीरज रेली, एमडी और सीईओ, एचडीएफसी सिक्योरिटीज; एचडीएफसी लाइफ की एमडी और सीईओ विभा पडलकर; अनुज त्यागी, एमडी और सीईओ, एचडीएफसी एर्गो; स्विगी के फूड मार्केटप्लेस के सीईओ रोहित कपूर; ज़ोहो के सह-संस्थापक कुमार वेम्बु; श्रद्धा शर्मा, एमडी और सीईओ, योरस्टोरी मीडिया; बिल्डडेस्क के संस्थापक निदेशक अजय कौशल; वहीं अपग्रेड के सह-संस्थापक और एमडी मयंक कुमार भी चर्चा में शामिल हुए।

श्री पराग राव, कंट्री हेड - कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, पेमेंट्स, एचडीएफसी बैंक ने कहा, ''हम विभिन्न स्तरों पर स्टार्टअप्स के साथ जुड़कर उन्हें उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। जिससे उन्हें व्यापार करने में आसानी होती है। दूसरी ओर, हम बैंक के शुरुआती दिनों से ही स्टार्टअप्स के साथ बेहतरीन काम कर रहे हैं। फिनटेक स्टार्टअप्स के साथ हमारा जुड़ाव हमें ग्राहकों को उन्नत सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाता है। हम निर्बाध डिजिटल भुगतान से लेकर एआई संचालित वित्तीय उपकरण तक सब कुछ प्रदान करने में सक्षम हैं। मैं एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स 2024 के सभी विजेताओं को बधाई देता हूं।

एचडीएफसी कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री विपुल रूंगटा ने कहा, ''2000 से अधिक स्टार्ट-अप की भागीदारी के साथ, एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स का तीसरा संस्करण भारत में प्रौद्योगिकी समाधान और नवाचार के उज्ज्वल भविष्य को प्रदर्शित करता है। एचडीएफसी कैपिटल उन नवोन्मेषी व्यवसायों का समर्थन करना जारी रखेगा जो रियल एस्टेट और किफायती आवास क्षेत्र के लिए स्थायी भविष्य के समाधान प्रदान करते हैं।''

प्रमुख इवेंट पार्टनर्स DPIIT स्टार्टअप इंडिया, मैतीस्टार्टअप हब, IVCap वेंचर्स, एलिवेशन कैपिटल, Z47 fka मैट्रिक्स पार्टनर्स इंडिया, 3One4 कैपिटल, चिरेट वेंचर्स, ब्लूम, एस्सेल, 100X.VC, इन्फ्लेक्शन पॉइंट वेंचर्स, रेनमेटर, गृहस, ब्रिगेड रिप, अर्थ फंड, अर्नेस्ट वेंचर कैपिटल, आईआईएमए वेंचर्स, आईआईएमबी एनएसआरसीईएल, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ साइंस, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी मद्रास, इंडियन वेंचर एंड अल्टरनेटिव कैपिटल एसोसिएशन, कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल और औफिस।

भाईलाल अमीन जनरल हॉस्पिटल, वडोदरा ने मध्य गुजरात में पहला लिवर ट्रांसप्लांट प्रोग्राम और हेपेटोलॉजी सेंटर लॉन्च किया

भाईलाल अमीन जनरल हॉस्पिटल (बीएजीएच), वडोदरा ने शहर में पहला लिवर ट्रांसप्लांट और हेपेटोलॉजी सेंटर शुरू करके अपने विकास में एक नया कदम उठाया केंद्र को नवोदरा और मुंबई के प्रसिद्ध नैदानिक पेशेवरों द्वारा समर्थित किया जाएगा। इसे अगस्त में श्री प्रणव अमीन, (प्रबंध निदेशक, एलेम्बिक फार्मास्यूटिकल्स), श्रीमती बरखा अमीन, (ट्रस्टी, भाईलाल अमीन जनरल हॉस्पिटल), क्लिनिकल टीम और उप प्रबंधन के साथ-साथ अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में लॉन्च किया गया था। यह उपलब्धि अस्पताल और क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण नैदानिक मील का पत्थर है। इस प्रकार, व्यापक यकृत प्रत्यारोपण और हेपेटोलॉजी केंद्र शुरू करने के लिए, अहमदाबाद और सूरत ने वडोदरा को गुजरात में तीसरे शहर के रूप में स्थापित किया है। भाईलाल अमीन जनरल अस्पताल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री रवि हिरवानी ने अपने उद्घाटन भाषण में मीडियाकर्मियों का स्वागत करते हुए, भाईलाल अमीन अस्पताल की अब तक की सफल यात्रा और लगभग दो दशकों के संचालन के दौरान नैदानिक उत्कृष्टता में अग्रणी के रूप में इसकी स्थिति के बारे में बात की। यकृत प्रत्यारोपण कार्यक्रम जब लाइवलाइव और कैडेवर लिवर ट्रांसप्लांट प्रोग्राम शुरू किया जाता है। विभाग के वरिष्ठ सलाहकार. प्रशांतबुच (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, भाईलाल अमीन जनरल हॉस्पिटल), डॉ. जितेंद्रमिस्त्री (सलाहकार जीआई और लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन, भाईलाल अमीन जनरल अस्पताल) डॉ. भावेश पटेल, (सलाहकार गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, भाईलाल अमीन जनरल अस्पताल) डॉ. रवि मोहनका (निदेशक लिवर ट्रांसप्लांट और एचपीबी सर्जरी), डॉ. प्रशांतराव (सलाहकार लिवर ट्रांसप्लांट और एचपीबी सर्जरी), डॉ. मितुल शाह (सलाहकार लिवर ट्रांसप्लांट और एचपीबी सर्जरी) और डॉ. अमेय पंचवाघ (कंसल्टेंट लिवर ट्रांसप्लांट एनेस्थीसिया) भी शामिल होंगे और सर एच रिलायंस हॉस्पिटल, मुंबई के अन्य क्लिनिकल टीम के सदस्य भी शामिल होंगे। संगठन पुरानी बीमारियों वाले रोगियों के लिए उच्च और कुशल चिकित्सा और शल्य चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करेगा और ऐसी उन्नत जटिल सर्जरी की सफलता को बढ़ाएगा। इस प्रभाग की शुरुआत करते हुए, श्री प्रणव अमीन (प्रबंध निदेशक, एलेम्बिक फार्मास्यूटिकल्स) ने कहा कि वडोदरा में लिवर ट्रांसप्लांट और हेपेटोलॉजी सेंटर से जुड़कर, हमारा लक्ष्य वडोदरा को एक व्यापक अंग प्रत्यारोपण केंद्र बनाना है ताकि वडोदरा के लोगों को उन्नत प्रत्यारोपण सर्जरी सुविधाएं मिल सकें। और उन्हें विभिन्न महानगरों की यात्रा कैसे करें, इसकी जानकारी प्रदान करें।डॉ. प्रशांत बुच (वरिष्ठ सलाहकार गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, भाईलाल अमीन जनरल अस्पताल) हालांकि ऐतिहासिक रूप से, वडोदरा लिवर प्रत्यारोपण सेवाएं प्रदान करने में अन्य प्रमुख कंपनियों से पीछे रहा है। जीवन-रक्षक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण आवश्यकता को पहचानते हुए, भाई लाल अमीन जनरल अस्पताल ने एक व्यापक यकृत प्रत्यारोपण कार्यक्रम और हेपेटोलॉजी केंद्र स्थापित करने की पहल की है।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96